सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

*" प्रतिभा आपको शीर्ष तक ले जाती है,
लेकिन व्यवहार तय करता है कि
आप कितने समय तक वहां रहेंगे...!! "*

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–97 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 27 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

छत्तीसगढ़ में सामूहिक विवाह बना सामाजिक एकता का उत्सव, मुख्यमंत्री साय ने 13 नवदंपतियों को दिया आशीर्वाद

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दुर्ग जिले के ग्राम भरर (जामगांव–आर) में आयोजित तहसील स्तरीय विशाल कर्मा महोत्सव एवं सामूहिक आदर्श विवाह कार्यक्रम सामाजिक समरसता और परंपरा का जीवंत उदाहरण बनकर उभरा, जहां मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सहभागिता करते हुए 13 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और उनके सुखमय दांपत्य जीवन एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने साहू समाज भवन पाटन में शेड निर्माण के लिए 50 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा की। साथ ही ग्राम भरर पंचायत में शौचालय एवं शेड निर्माण तथा ग्राम पंचायत में सीसी रोड निर्माण के लिए 10 लाख रुपये देने की घोषणा भी की, जिससे क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने साहू समाज को छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा और गौरवशाली समाज बताते हुए माता कर्मा के योगदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। उन्होंने कहा कि माता कर्मा की भक्ति और सेवा भावना समाज के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रही है। इस दौरान उन्होंने स्वर्गीय ताराचंद साहू को भी नमन किया और उनके साथ कार्य करने के अपने अनुभव साझा किए।

राज्य सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पिछले 28 महीनों में राज्य में सुशासन स्थापित करने के साथ–साथ मोदी की गारंटी को पूरा करने की दिशा में ठोस कार्य किए गए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के प्रयासों की सराहना करते हुए बताया कि राज्य में 18 लाख परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ प्रदान किया जा रहा है। किसानों को बकाया बोनस राशि का भुगतान, 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी तथा महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को मासिक आर्थिक सहायता दी जा रही है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन रही हैं और सिलाई–कढ़ाई, किराना दुकान सहित अन्य छोटे व्यवसाय शुरू कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत दो वर्षों में लगभग 42 हजार लोगों को लाभ मिला है । उन्होंने बस्तर क्षेत्र में नक्सल समस्या के उन्मूलन और विकास कार्यों में आई तेजी को राज्य की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। ऊर्जा क्षेत्र की पहल का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना–2026 की शुरुआत मार्च 2026 में की गई है, जो उन उपभोक्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है जिनका बिजली बिल लंबे समय से बकाया है। मोर बिजली ऐप के माध्यम से उपभोक्ता मोबाइल से ऑनलाइन पंजीकरण कर अपनी पात्रता की जांच कर सकते हैं। इस योजना के तहत बकाया राशि पर लगने वाले ब्याज या सरचार्ज में 100 प्रतिशत छूट दी जा रही है। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल, कमिश्नर सत्यनारायण राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंह, अध्यक्ष जिला साहू संघ नंदलाल साहू, अध्यक्ष तेलघानी बोर्ड जितेन्द्र साहू सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं नागरिकगण उपस्थित थे।

विशेष टिप्पणी

'कुर्सी नहीं चाहिए'– क्या यह त्याग है या सबसे बड़ी सियासी चाल?

आलोक तिवारी की कलम से

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 152 सीटों पर हुई 92 .9 फीसदी की रिकॉडतीड़ वोटिंग ने केवल आंकड़े नहीं बदले, बल्कि सियासत की धड़कनें भी तेज कर दी हैं। इतनी भारी भागीदारी के बाद जहां भाजपा इसे परिवर्तन की आहट मान रही है, वहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का एक बयान पूरे राजनीतिक परिदृश्य को नई दिशा दे गया–'मुझे कुर्सी नहीं चाहिए।'

सवाल सीधा है, लेकिन जवाब उतना ही जटिल—क्या यह सत्ता से विरक्ति है या सत्ता तक पहुंचने की एक नई रणनीति? भारतीय राजनीति में शब्द कभी साधारण नहीं होते, खासकर तब जब वे चुनावी मौसम में बोले जाएं। कुर्सी नहीं चाहिए सुनने में त्याग का भाव जगाता है, लेकिन इसके भीतर सत्ता की गहरी रणनीति छिपी हो सकती है। यह बयान एक साथ कई संदेश देता है— पहला, जनता के बीच यह छवि बनाना कि नेता पद का भूखा नहीं है। दूसरा, विरोधियों को असमंजस में डालना। तीसरा, राष्ट्रीय राजनीति में अपनी भूमिका को बड़ा दिखाना।

दिल्ली की ओर इशारा

ममता बनर्जी के भाषण में दिल्ली शब्द बार–बार उभरता है। यह महज केंद्र सरकार पर हमला नहीं, बल्कि स्पष्ट संकेत है कि उनका लक्ष्य अब राज्य की सीमाओं से आगे निकल चुका है। अगर टीएमसी बंगाल में जीत दोहराती है, तो ममता का कद विपक्षी राजनीति में निर्णायक हो सकता है। ऐसे में 'कुर्सी नहीं चाहिए' दरअसल 'बड़ी कुर्सी चाहिए' का सांकेतिक रूप भी हो सकता है।

उत्तराधिकार की अटकलें

इस बयान के बाद सबसे बड़ी चर्चा सत्ता के हस्तांतरण को लेकर है। क्या ममता बनर्जी बंगाल की कमान किसी और—संभवतः युवा नेतृत्व—को सौंपकर खुद राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय होंगी? भारतीय राजनीति में यह मॉडल नया नहीं है, लेकिन ममता के संदर्भ में यह एक बड़ा प्रयोग साबित हो सकता है।

वोटिंग पैटर्न और सियासी मनोविज्ञान

इतनी भारी वोटिंग को लेकर दो धाराएं हैं—एक मानती है कि यह सत्ता विरोधी लहर का संकेत है। दूसरी इसे लोकतांत्रिक उत्साह और ध्रुवीकरण का परिणाम बताती है। ममता का बयान इन दोनों संभावनाओं के बीच एक भावनात्मक सेफ्टी नेट जैसा भी दिखता है— अगर जीत मिली तो यह त्याग की छवि को मजबूत करेगा, और यदि नतीजे विपरीत आए तो यह पहले से तैयार किया गया नैरेटिव होगा।

इमोशनल पॉलिटिक्स का असर

ममता बनर्जी की राजनीति हमेशा भावनाओं और जुझारूपन का मिश्रण रही है। 'कुर्सी नहीं चाहिए' कहना दरअसल जनता के साथ एक भावनात्मक रिश्ता मजबूत करने का प्रयास भी है—एक ऐसा संदेश कि वह सत्ता के लिए नहीं, बल्कि विचार और पहचान की लड़ाई लड़ रही हैं।

सियासत का बहुस्तरीय खेल

यह बयान न तो पूरी तरह त्याग है, न ही केवल चुनावी जुमला। यह एक बहुस्तरीय राजनीतिक चाल है, जो एक साथ राज्य और केंद्र—दोनों स्तरों पर असर डालने के लिए रची गई है। अब असली फैसला जनता के हाथ में है, जो ईवीएम में कैद हो चुका है। लेकिन इतना तय है—इन पांच शब्दों ने बंगाल की राजनीति को सिर्फ चुनावी मुकाबला नहीं रहने दिया, बल्कि इसे भविष्य की राष्ट्रीय सत्ता के समीकरणों से जोड़ दिया है।

इंस्टाग्राम पर पूर्व मुख्यमंत्री के विवादित वीडियो को लेकर कांग्रेसियों में आक्रोश

एसपी को ज्ञापन सौंपकर एफआईआर दर्ज करने की मांग

चेतावनी

एसपी द्वारा एफआईआर के लिए दो दिन का समय मांगने पर माहौल बिगड़ा

दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस उतरेगी सड़क पर : मुकेश चंद्राकर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को लेकर इंस्टाग्राम पर एआई निर्मित विवादास्पद पोस्टर एवं वीडियो को लेकर 26 अप्रैल को कांग्रेस ने हल्ला बोला। पुलिस अधीक्षक दुर्ग के कार्यालय पहुंचकर कांग्रेस के पदाधिकारियों ने उन्हें ज्ञापन सौंपा और तत्काल दोनों आईडी के संचालकों के विरुद्ध एफआईआर करने की मांग की। एसपी द्वारा दो दिन का समय मांगने पर कांग्रेसी उत्तेजित हो उठे, जिससे माहौल गरमा गया।

ज्ञातव्य है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के विरुद्ध इंस्टाग्राम पर आईडी "कांग्रेस पोल खोल" एवं आईडी "रंडोम छत्तीसगढ़" ने एक साथ कोलेब कर आपत्तिजनक एवं तथ्यहीन पोस्ट एवं वीडियो पोस्ट किया है, जिसे लेकर कांग्रेसियों में भारी आक्रोश था। भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, दुर्ग शहर के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल एवं दुर्ग ग्रामीण के अध्यक्ष राकेश ठाकुर सहित सैंकड़ों की संख्या में कांग्रेसियों ने एसपी कार्यालय दुर्ग पहुंचकर अपना विरोध जताया। पदाधिकारियों ने एसपी को तत्काल दोनों आईडी के संचालकों के विरुद्ध एफआईआर करने की मांग की, साथ ही दोनों संचालकों की पहचान कर उनके विरुद्ध आईटी एक्ट एवं अन्य धाराओं के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की।

एसपी का कहना था कि वे लोग ज्ञापन सौंप दें, कार्रवाई करेंगे। एफआईआर करने के लिए उन्हें 2 दिन का समय दिया जाए जिसे लेकर कांग्रेसी उत्तेजित हो उठे। भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर का कहना था कि पहले भी हम लोगों ने दो–तीन बार ज्ञापन सौंपा है लेकिन एसपी महोदय ने कभी संज्ञान नहीं लिया, न हीं कोई कार्रवाई की। इस बार फिर से मामले को टालने की कोशिश की जा रही है। श्री चंद्राकर ने एसपी से स्पष्ट कहा कि आपके ऊपर कोई ऊपरी दबाव तो नहीं जिसके कारण आप एफआईआर दर्ज नहीं कर रहे हैं। एफआईआर तत्काल दर्ज करें एवं दो दिन के अंदर ठोस कार्रवाई करें अन्यथा कांग्रेस जन सड़क पर उतरकर आक्रोश व्यक्त करेगा एवं आंदोलन की राह पकड़ेगा।

श्री चंद्राकर का कहना था कि इंस्टाग्राम पर किए गए दोनों पोस्ट एवं वीडियो असत्य, भ्रामक एवं पूर्व मुख्यमंत्री के चरित्र हनन करने का प्रयास है जिससे कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश है। प्रशासन इसे गंभीरता से ले और तत्काल कारवाई करें। जो भी दोषी हैं उनके विरुद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज हो एवं जल्द से जल्द कार्रवाई हो।

ज्ञापन सौंपने वालों में पूर्व विधायक अरुण वोरा मुकेश चंद्राकर, राकेश ठाकुर ,धीरज बाकलीवाल, नीरज पाल,शीजू एंथोनी,धर्मेंद्र यादव,अरुण बोरा,आर.एन वर्मा,नरसिंह नाथ,भूपेंद्र यादव,हीरा शंकर साहू,शिखा रॉय सिंह, भुवनेश्वरी देवी,जीतेश बंजारे,प्रमोद यादव,अरविंद कुमार,सुशील भारद्वाज,आयुष शर्मा,चिराग शर्मा शाहिद सैकड़ो की संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भिलाई निगम में महापौर व आयुक्त की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ पार्षद पीयूष मिश्रा ने नगर निगम भिलाई के महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त राजीव पाण्डेय की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाए हैं। श्री मिश्रा ने बताया कि 25 मार्च 2026 को भारतीय जनता पार्टी के पाषर्दों द्वारा निगम आयुक्त राजीव पाण्डेय के विरुद्ध उन्हें पद से हटाने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था, जिसे नगर निगम के सभी पाषर्दों ने सर्वसम्मति से पारित किया। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव पारित होने के पश्चात आयुक्त को तत्काल प्रभाव से पदमुक्त हो जाना चाहिए था तथा इसके बाद उन्हें निगम के नीतिगत एवं प्रशासनिक कार्यों में किसी भी प्रकार की नोटशीट संचालित करने का अधिकार नहीं है। इसके बावजूद उनके द्वारा कार्य करना नियम विरुद्ध एवं पूर्णतः अवैधानिक है।

वरिष्ठ पार्षद श्री मिश्रा ने आरोप लगाया कि महापौर नीरज पाल एवं आयुक्त राजीव पाण्डेय आपसी साठगांठ कर निगम के कार्यों को प्रभावित कर रहे हैं, जिससे पारदशिर्ता एवं जनहित दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने आगे बताया कि सामान्य सभा के दो दिन पूर्व नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा की उपस्थिति में भाजपा पार्षद दल की बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें सभी पाषर्दों ने महापौर एवं आयुक्त की कायर्शैली के प्रति गहरा असंतोष व्यक्त किया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सामान्य सभा में जनविरोधी एवं नियम विरुद्ध विषयों पर कड़ा विरोध दर्ज कराया जाएगा।

सामान्य सभा के दौरान कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर आयुक्त द्वारा संतोषजनक उत्तर नहीं दिया गया तथा सदन को गुमराह करने का प्रयास किया गया। इस पर भाजपा पाषर्दों की सहमति से निगम अधिनियम की धारा 54(2) के अंतर्गत आयुक्त को हटाने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। श्री मिश्रा ने यह भी आरोप लगाया कि प्रस्ताव पारित होने के पश्चात आयुक्त द्वारा पाषर्दों के साथ दुर्व्यवहार किया गया एवं असंसदीय भाषा का प्रयोग किया गया, जिस पर सभी पाषर्दों ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई।

उन्होंने आगे कहा कि वे शीघ्र ही राज्य शासन को औपचारिक पत्र लिखकर यह मांग करेंगे कि दिनांक 25 मार्च 2026 की सामान्य सभा के संकल्प के पश्चात आयुक्त द्वारा किए गए सभी वित्तीय भुगतान एवं प्रशासनिक निणर्यों की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा नियम विरुद्ध पाए जाने पर संबंधित राशि की वसूली (रिकवरी) आयुक्त से की जाए। साथ ही, आयुक्त के रूप में लिए गए सभी निणर्यों को निरस्त कर उनके विरुद्ध कड़ी विभागीय एवं विधिक कार्रवाई की जाए।

श्री मिश्रा ने यह भी गंभीर आरोप लगाया कि 25 मार्च 2026 की सामान्य सभा में पारित संकल्प की प्रति आज दिनांक तक राज्य शासन को विधिवत प्रेषित नहीं की गई है, जो स्पष्ट रूप से प्रशासनिक लापरवाही एवं नियमों की अवहेलना को दर्शाता है। इसके बावजूद आयुक्त द्वारा मनमाने ढंग से निगम के कार्यों का संचालन किया जा रहा है, जो पूरी तरह अवैधानिक एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था के विरुद्ध है। अंत में उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का पार्षद दल नगर निगम में पारदशिर्ता, जवाबदेही एवं जनहित के मुद्दों पर सदैव संघर्षरत रहेगा और किसी भी प्रकार की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भाजयुमो नियुक्तियां स्थगित: तकनीकी त्रुटियों के चलते फैसला, जल्द आएगी नई सूची

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारतीय जनता युवा मोर्चा की भिलाई जिला इकाई में हाल ही में घोषित जिला एवं मंडल स्तर की नियुक्तियों पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। संगठन के इस फैसले के बाद स्थानीय स्तर पर हलचल तेज हो गई है।

पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं दुर्ग संभाग प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्रही ने जानकारी देते हुए बताया कि जारी सूची में कुछ गंभीर तकनीकी विसंगतियां सामने आई थीं। संगठनात्मक पारदशिर्ता और निर्धारित मापदंडों को बनाए रखने के उद्देश्य से सूची की घोषणा स्थगित करने का निर्णय लिया गया है।

उन्होंने कहा कि पूर्व में जारी सूची में पाई गई त्रुटियों को सुधारना आवश्यक है, इसलिए सभी पहलुओं की पुनः समीक्षा की जा रही है। कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी हित सर्वोपरि है और जल्द ही एक नई, संशोधित एवं त्रुटिरहित सूची जारी की जाएगी।

संगठन के इस कदम को अनुशासन और पारदर्शिता बनाए रखने की दिशा में अहम माना जा रहा है, हालांकि नियुक्तियों का इंतजार कर रहे कार्यकर्ताओं की नजर अब नई सूची पर टिकी हुई है।

भोजपुरी संस्कृति की छटा में सजा भिलाई, सम्मान समारोह में जुटे जनप्रतिनिधि और समाज के लोग

इंद्रजीत सिंह छोटू ने दी बधाई, सांस्कृतिक एकता का दिया संदेश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ भोजपुरी परिषद द्वारा आयोजित सम्मान समारोह एवं दो दलीय चैता कार्यक्रम में शामिल होकर इंद्रजीत सिंह छोटू ने समाज के वरिष्ठों, युवाओं एवं आयोजकों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कार्यक्रम में भोजपुरी संस्कृति, लोकगीत और परंपराओं की सुंदर झलक देखने को मिली।

इस अवसर पर दुर्ग लोकसभा के सांसद विजय बघेल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय, छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पांडेय, भाजपा भिलाई जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, नगर निगम भिलाई के नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, भोजपुरी समाज के संरक्षक संजय ओझा, परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष प्रभुनाथ बैठा, पार्षद भोला राम साहू सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजनों, माताओं–बहनों एवं युवा साथियों ने सहभागिता निभाई। सभी ने एक स्वर में भोजपुरी संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन पर जोर दिया। इस आयोजन ने भिलाई में सांस्कृतिक एकता और सामाजिक समरसता का संदेश देते हुए क्षेत्र की विविधता में एकता की पहचान को और मजबूत किया।

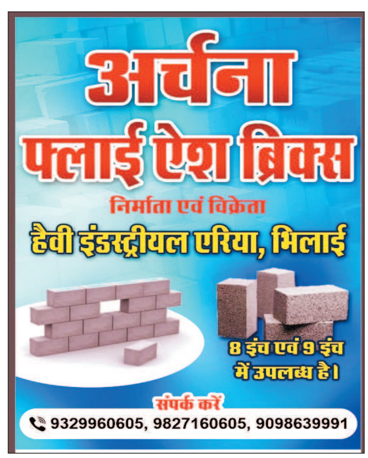

भिलाई में भाजपा शिक्षा प्रकोष्ठ की प्रभावी शुरुआत, राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर किया गया मंथन

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

भारतीय जनता पार्टी, जिला भिलाई के शिक्षा प्रकोष्ठ द्वारा एक गरिमामय एवं विचारोत्तेजक परिचयात्मक बैठक एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा जगत एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही, जिसने आयोजन को अत्यंत सार्थक एवं प्रेरणादायी बना दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षा प्रकोष्ठ के संयोजक कांतीलाल जैन थे, जबकि अध्यक्षता जिले के महामंत्री मनीष अग्रवाल ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं रायपुर संभाग प्रभारी बृजमोहन उपाध्याय तथा बस्तर संभाग प्रभारी जेपी घनघोरकर की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का सफल संचालन भाजपा शिक्षा प्रकोष्ठ भिलाई जिला के संयोजक विनोद उपाध्याय द्वारा किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता एवं कार्यालय प्रभारी योगेन्द्र सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही सह-संयोजक अंबिका प्रसाद द्विवेदी, सूयर्कांत पाण्डेय, शिवाजी सिंह, श्रीनिवास राव, सुरेश सोनी, संजय यादव, गोविंद वर्मा, हरिश्चंद्र एवं राजेंद्र गाणा की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया। मातृशक्ति में डॉ. अनुराणा, श्रीमती नीता चौरसिया, श्रीमती सोनाली माधवन एवं श्रीमती सरिता चौबे भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ सभी उपस्थित सदस्यों के परिचय से हुआ, तत्पश्चात मुख्य अतिथि, अध्यक्ष एवं विशिष्ट अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर आत्मीय स्वागत किया गया। प्रदेश संयोजक के प्रथम भिलाई आगमन पर जिला संयोजक विनोद उपाध्याय, सह-संयोजक अंबिका द्विवेदी एवं सूयर्कांत पाण्डेय द्वारा शाल एवं श्रीफल भेंटकर विशेष सम्मान किया गया।

अपने ओजस्वी एवं सारगर्भित उद्बोधन में मुख्य अतिथि कांतीलाल जैन ने कहा कि शिक्षा एक ऐसा सशक्त माध्यम है, जिसकी पहुँच समाज के प्रत्येक वर्ग और प्रत्येक घर तक है। इसके माध्यम से भारतीय जनता पार्टी की नीतियों एवं सरकार के कार्यों को प्रभावी रूप से जन-जन तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को देश के भविष्य के लिए एक क्रांतिकारी कदम बताते हुए इसके पाँच मूल स्तंभ—पहुँच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य एवं जवाबदेही—पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी कहा कि नई शिक्षा नीति बच्चों को केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि संस्कारयुक्त जीवन जीने की प्रेरणा भी देगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मनीष अग्रवाल ने विश्वास व्यक्त किया कि शिक्षा प्रकोष्ठ जिले में पार्टी के हर कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाएगा और शिक्षा के माध्यम से पार्टी की विचारधारा को व्यापक स्तर पर स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में पद नहीं, बल्कि दायित्व मिलता है, और हर कार्यकर्ता उस दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा से करता है।

विशिष्ट अतिथि बृजमोहन उपाध्याय ने अपने संबोधन में कहा कि नई शिक्षा नीति के माध्यम से प्रदेश में संस्कारयुक्त एवं समावेशी शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि स्कूलों में प्राथर्ना एवं सांस्कृतिक मूल्यों के माध्यम से बच्चों में नैतिकता एवं भारतीय संस्कृति का विकास किया जाएगा।

वहीं, बस्तर संभाग प्रभारी जे.पी. घनघोरकर ने भिलाई को शिक्षाधानी बताते हुए शिक्षा प्रकोष्ठ से बड़ी अपेक्षाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि उपस्थित कार्यकर्ताओं का उत्साह यह दर्शाता है कि आने वाले समय में भिलाई का शिक्षा प्रकोष्ठ प्रदेश में एक प्रेरणादायी उदाहरण बनेगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला संयोजक विनोद उपाध्याय ने कहा कि शिक्षा प्रकोष्ठ की टीम बूथ एवं मंडल स्तर तक छोटे-छोटे कार्यक्रम आयोजित कर पार्टी की नीतियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करेगी और संगठन को मजबूत बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। कार्यक्रम के अंत में आगामी गतिविधियों की रूपरेखा तैयार की गई तथा आभार प्रदर्शन सह-संयोजक सूयर्कांत पाण्डेय एवं अंबिका प्रसाद द्विवेदी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े अनेक प्रमुख व्यक्तियों—अरुण नायर, डाकेश्वर परगनिया, गुरुनाम सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, महेश वर्मा, राकेश ओझा, सी.एम. महापात्रा, विवेक यादव, रजनी सिंह, वैभव लाकुण्ड, अफजल अहमद, सीरिकी अग्रवाल, गोविन्द वर्मा, प्रकाश नायक, अनिल विश्वकर्मा, सत्येंद्र गुप्ता, राज गुप्ता, बी.पी. सिंह, हरिलाल सोनी, विष्णु राजपूत, छत्रपाल साहू, राघवेन्द्र शाह, धीरेंद्र प्रसाद, रामजी प्रसाद सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। यह आयोजन न केवल संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा, बल्कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रति जागरूकता एवं संवाद का एक सशक्त मंच भी सिद्ध हुआ।

खास खबर

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में राष्ट्रीय वित्तीय साक्षरता दिवस पर जनजागरण अभियान

नई दृष्टिबिंदु /दुर्ग

राष्ट्रीय वित्तीय साक्षरता दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग द्वारा एक व्यापक एवं प्रभावी वित्तीय साक्षरता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के मार्गदर्शन में दुर्ग, भिलाई-3 एवं धमधा क्षेत्र के पैरालीगल वॉलंटियर्स ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई और समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुँचकर वित्तीय साक्षरता एवं कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने का महत्वपूर्ण कार्य किया।

शिविर के अंतर्गत पीएलवी टीमों ने गाँवों, शहरों एवं मोहल्लों में घर-घर जाकर महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों एवं युवाओं को साइबर फ्रॉड एवं साइबर क्राइम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही, आमजन को निःशुल्क विधिक सहायता, निःशुल्क अधिवक्ता की सुविधा तथा विभिन्न प्रकार की कानूनी सलाह के संबंध में जागरूक किया गया। लोगों को बताया गया कि आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद व्यक्ति जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क अधिवक्ता एवं कानूनी परामर्श प्राप्त कर सकते हैं।

इस दौरान आमजन को किसी अन्य व्यक्ति से ओटीपी साझा न करने, किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करने तथा साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही, मोबाइल फोन के सुरक्षित एवं सही उपयोग के बारे में समझाया गया और यदि किसी व्यक्ति के साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी हो जाती है, तो उसकी शिकायत दर्ज किए जाने की पूरी प्रक्रिया के विषय में विस्तार से बताया गया।

करदाताओं के लिए अंतिम चेतावनी : सिर्फ तीन दिन शेष, तुरंत जमा करें बकाया कर

1 मई से लागू होगा 17% सरचार्ज, बकायादारों पर सख्त कार्रवाई तय

नई दृष्टिबिंदु /दुर्ग

निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि 1 मई के बाद पूर्व वर्षों का संपत्तिकर जमा करने पर 17 प्रतिशत तक सरचार्ज अनिवार्य रूप से वसूला जाएगा। इसके साथ ही लंबे समय से बकाया रखने वाले करदाताओं के विरुद्ध नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई, कुर्की एवं अन्य वैधानिक कार्यवाही भी की जाएगी।

अवकाश में भी खुले रहेंगे टैक्स काउंटर, घर-घर वसूली अभियान तेज

करदाताओं की सुविधा एवं अधिकतम वसूली सुनिश्चित करने हेतु निगम के सभी टैक्स काउंटर शनिवार एवं रविवार को भी खुले रहेंगे। साथ ही बकायादारों से कर वसूली के लिए घर-घर अभियान तेज कर दिया गया है। नागरिकों को ऑनलाइन माध्यम से कर भुगतान के लिए भी लगातार प्रेरित किया जा रहा है, ताकि वे समय रहते अपना दायित्व पूरा कर सकें।

सख्त निर्देश : लापरवाही बर्दाश्त नहीं

आयुक्त सुमित अग्रवाल ने राजस्व विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि शेष बचे दिनों में पूरी सक्रियता, गंभीरता एवं जवाबदेही के साथ वसूली कार्य किया जाए। किसी भी प्रकार की ढिलाई या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी।

करदाताओं से सख्त अपील

नगर पालिक निगम, दुर्ग समस्त करदाताओं से अपील करता है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार न करें और तुरंत अपना बकाया संपत्तिकर जमा करें। समय रहते कर भुगतान कर शासकीय छूट का लाभ उठाएं एवं 17% सरचार्ज जैसे अतिरिक्त आर्थिक भार से बचें। आज ही कर जमा करें, कल की परेशानी से बचें समय पर कर भुगतान, जिम्मेदार नागरिक की पहचान।

लकवा मरीजों के पुर्नवास के लिए पहल, सहायता की घोषणा

नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चन्द्राकर,शेखर चन्द्राकर के साथ दादा-दादी नाना-नानी पार्क स्थित लकवा पॉइंट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां एक्सरसाइज कर रहे लकवा (पैरालिसिस) मरीजों एवं उनके परिजनों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। महापौर ने मौके पर उपस्थित लोगों से चर्चा करते हुए जाना कि नियमित व्यायाम और आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने मरीजों के परिजनों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि निगम स्तर पर हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।निरीक्षण के दौरान महापौर अलका बाघमार ने लकवा मरीजों के लिए आवश्यक एक्सरसाइज सामग्री एवं सुविधाओं के विस्तार हेतु 5 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सामग्री की उपलब्धता और व्यवस्थाओं को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए, ताकि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। महापौर ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य केवल बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों से जूझ रहे नागरिकों को सहयोग प्रदान करना भी है। उन्होंने कहा कि लकवा मरीजों के पुनर्वास और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए ऐसे केंद्रों का सशक्त होना बेहद आवश्यक है।

ताम्रकार समाज का आदर्श सामूहिक विवाह : 7 जोड़े बंधे वैवाहिक बंधन में

नई दृष्टिबिंदु /नंदिनी अहिवारा

धमधा ताम्रकार समाज द्वारा आयोजित आदर्श सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन 26 अप्रैल को तमेर पारा, धमधा में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। हैहयवंशी क्षत्रिय ताम्रकार समाज कल्याण समिति के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में समाज के 7 नवदंपत्ति जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे।

इस अवसर पर उमंग ताम्रकार-तनुजा ताम्रकार, नयन ताम्रकार-दिव्यानी ताम्रकार, सुब्रत ताम्रकार-अमीषा ताम्रकार, आनंद ताम्रकार-अनुष्का ताम्रकार, अमित ताम्रकार-वर्षा ताम्रकार, अमन ताम्रकार-आकांक्षा ताम्रकार तथा रोहिणी ताम्रकार-शुभेच्छा ताम्रकार का विधि-विधान से विवाह संपन्न कराया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद विजय बघेल एवं साजा विधायक ईश्वर साहू उपस्थित रहे। अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए इस तरह के आयोजनों की सराहना की और इसे सामाजिक समरसता व सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। समारोह की विशेषता इसकी सादगी, अनुशासन और सामूहिक सहयोग रही, जिसके चलते यह आयोजन पूरे छत्तीसगढ़ में अपनी अलग पहचान बना चुका है। हर वर्ष आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम समाज में फिजूलखर्ची को रोकने और एकता को बढ़ावा देने का संदेश देता है।

समाज के अध्यक्ष नीलकमल ताम्रकार एवं सचिव विमलचंद ताम्रकार ने सभी समाजजनों एवं नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज को जोड़ने और परंपराओं को मजबूत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने सभी से भविष्य में भी इसी तरह सहयोग बनाए रखने की अपील की। समारोह में बड़ी संख्या में समाज के लोग एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिन्होंने नवदंपत्तियों को शुभकामनाएं दीं और आयोजन की सफलता में अपनी भागीदारी निभाई।

क्षेत्र की जनता को मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराना मेरी जिम्मेदारी-मनीष

नई दृष्टिबिंदु /रिसाली

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना के तहत वार्ड क्रमांक 25, रिसाली में पार्षद मनीष यादव (बंटी) के नेतृत्व में निःशुल्क ई-केवाईसी शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में वार्ड की सैकड़ों हितग्राही माताओं-बहनों ने उत्साह के साथ पहुंचकर अपना ई-केवाईसी पूर्ण कराया। भीषण गर्मी के बावजूद सुबह 11 बजे से ही महिलाओं की लंबी कतार देखी गई। शिविर दोपहर 2 बजे तक संचालित हुआ। पार्षद मनीष यादव स्वयं पूरे समय शिविर में मौजूद रहे और महिलाओं को हो रही असुविधाओं का तत्काल निराकरण कराया।

इस अवसर पर पार्षद मनीष यादव ने कहा महतारी वंदन योजना हमारी माताओं-बहनों के सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण की योजना है। ई-केवाईसी न होने के कारण किसी भी पात्र बहन की किश्त न रुके, यह सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है।

क्षेत्र की जनता को मूलभूत सुविधाएं समय पर और सम्मान के साथ उपलब्ध कराना मेरी नैतिक जिम्मेदारी है। शिविर में आधार अपडेट, मोबाइल लिंकिंग और पंजीयन संबंधी समस्याओं का भी मौके पर ही समाधान किया गया। हितग्राही महिलाओं ने शिविर के सुव्यवस्थित आयोजन के लिए पार्षद मनीष यादव का आभार व्यक्त किया। पार्षद यादव ने अपील की कि जो हितग्राही बहनें आज किसी कारणवश शिविर में नहीं पहुंच पाई, वे उनसे सीधे संपर्क कर सकती हैं, ताकि उनका ई-केवाईसी शीघ्र पूर्ण कराया जा सके।

भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा जिला भिलाई अध्यक्ष सौरभ जायसवाल के निर्देश अनुसार प्रत्येक मंडल में मन की बात का किया लोगों ने श्रवण

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा जिला भिलाई अध्यक्ष सौरभ जायसवाल के निर्देश अनुसार प्रत्येक मंडल में मन की बात का कार्यक्रम सुनिश्चित किया गया ! जिसके तहत केम्प मंडल में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की मन की बात का 133 वां एपिसोड सुना गया! मोदीजी ने पूवीत्तर में विकसित हो रहे बांस उद्योग, यूपी में गज मित्र और डेयरी उद्योग के विकसित रूप हुस्न चीज का उत्पादन विदेशों तक हो रहा, साथ ही बिजली के उत्पादन के सौर ऊर्जा से पवन ऊर्जा की प्रगति देश के सामने है ! शिक्षा के क्षेत्र में बच्चियों ने देशभर में अग्रणी स्थान प्राप्त कर गौरवान्वित किया है !

जिसमे युवा मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष व प्रदेश सहप्रमुख आईटी अमित मिश्रा, पूर्व मंडल अध्यक्ष व प्रदेश कार्य समिति सदस्य किसान मोर्चा अशोक गुप्ता, युवा मोर्चा जिला महामंत्री अमित सिंह, जिला मंत्री अखिलेश सिंह, जिला प्रवक्ता नवीन सिंह, जिला प्रचार प्रसार सत्यम यादव, जिला कार्यालय प्रभारी नरेंद्र वर्मा, युवा मोर्चा केम्प मण्डल अध्यक्ष चंदन यादव, केम्प मण्डल मिडिया प्रभारी राजेश सेन, ओबीसी मोर्चा उपाध्यक्ष विजय साव, सहकारिता प्रकोष्ठ सयोजक संजय भारती, निरंकार सिंह, सोनू जैन, भारत साहू, अभिषेक साव, प्रेमशंकर पासवान सहकार्यालय मंत्री नरेंद्र दास, देवेंद्र सूयर्वंशी, नितेश चौहान, रजत शाह समस्त भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा केम्प मंडल के समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे ! यह जानकारी युवा मोर्चा जिला भिलाई मीडिया प्रभारी जयंत शर्मा ने दी।

प्रत्येक ब्राह्मण भगवान परशुराम द्वारा प्रदत्त ज्ञान और शक्तियों का प्रयोग कर सनातनी,रामराज्य की स्थापना के लिए करें कार्य -प्रदेश अध्यक्ष देवेश मिश्रा

नई दृष्टिबिंदु /दुर्ग-रायपुर

भगवान परशुराम प्राकट्य महोत्सव पखवाड़ा पूरे छत्तीसगढ़ में मनाया जा रहा है। इसी कार्यक्रम के तहत अमलेश्वर में खारून नदी किनारे शर्मा भवन में आज धूमधाम से भगवान परशुराम प्राकट्य महोत्सव मनाया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भगवा पार्टी प्रदेश अध्यक्ष एवं द्विज एकता मंच अध्यक्ष देवेश मिश्रा,अध्यक्षता रत्ना दीदी,गणेश प्रसाद शर्मा, विशेष अतिथि अतुल शुक्ला, ज्ञानेश्वर प्रसाद, वैभव शास्त्री,सुनील शर्मा थे।

सर्वप्रथम सभी विप्रजनों ने भगवान परशुराम की छायाचित्र की विधिवत पूजा अचर्ना वैदिक मन्त्रोंपचार के साथ किया, भगवान की आरती उतारी।इस दौरान पूरा वातावरण भगवान परशुराम की जय, ब्राह्मण समाज की जय,माँ दुर्गा की जय,सनातन धर्म की जय,हर हर महादेव के सनातनी नारों से गूंज उठा। अतिथियों के सम्मान पश्चात सभी को प्रसाद व स्वल्पाहार निवेदित किया गया।मुख्य अतिथि की आसंदी से भगवा पार्टी प्रदेश अध्यक्ष एवं द्विज एकता मंच अध्यक्ष देवेश मिश्रा ने कहा कि भगवान परशुराम ने जिस प्रकार अन्यायी,अत्याचारी,तानाशाही, भ्रष्ट तत्कालीन शासकों व राजाओं का समूल नाश किया, उसी प्रकार आज हम ब्राह्मणों का कर्तव्य है कि किन्हीं नेताओं अथवा राजनैतिक पाटिर्यो के अनुगामी न बनकर भगवान परशुराम द्वारा प्रदत्त बुद्धि,ज्ञान व शक्तियों का प्रयोग कर सर्वत्र खुशहाली,सुख-शांति समृद्धशाली, सनातनी अर्थात रामराज्य की स्थापना हेतु कार्य करें।

प्रदेश अध्यक्ष देवेश मिश्रा ने आगे कहा कि प्रत्येक समाज हम ब्राह्मणों का अनुशरण करता है,इसलिए प्रत्येक ब्राह्मण भगवान परशुराम के पदचिन्हो पर चलें, तो आज हम पुनः पूरे देश विदेश में अपनी सनातन धर्म समाज का प्रभुत्व स्थापित कर सकते है। ब्राह्मण का स्थान सवीच्च है, रहेगा,इसमें कहीं भी संशय नहीं होना चाहिए। सभी ब्राह्मण भाई बहनों से निवेदन है,अपने ज्ञान को अपनी सोच को विस्तारित करें।

सभा को राजेश शर्मा,रत्ना शर्मा,गणेश प्रसाद शर्मा, वैभव शास्त्री, सुनील शर्मा ने भी सम्बोधित किया। संचालन मोहित शर्मा एवं समापन आभार पंडित गोपाल शर्मा ने किया।कार्यक्रम के अंत में संजय शर्मा की स्मृति में रामचरित मानस ग्रन्थ अतिथियों को भेंट किया गया। इस कार्यक्रम में कवर्धा, दुर्ग,भिलाई,रायपुर सहित आसपास के ब्राह्मण परिवार के लोग भारी संख्या में उपस्थित थे।

भीषण गर्मी में शक्ति नगर तालाब खाली करने पर बवाल, कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने खोला मोर्चा

नई दृष्टिबिंदु /दुर्ग

भीषण गर्मी में शक्ति नगर तालाब खाली करने पर बवालः कांग्रेस जिला अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल जी और नगर निगम दुर्ग के नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले जी ने किया निरीक्षण, जल्द कारर्वाई नहीं हुई तो उग्र आंदोलन की चेतावनी। नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 17 कादंबरी नगर-शक्ति नगर में भीषण गर्मी के बीच मोटर पंप लगाकर तालाब को खाली किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। एक ओर शहर के कई वार्डों में पानी की किल्लत से आमजन परेशान हैं, वहीं दूसरी ओर जल स्त्रोत को इस तरह समाप्त किया जाना चिंता का विषय बन गया है। इस घटना से स्थानीय रहवासियों में भारी नाराजगी देखी जा रही है तथा भविष्य में जल संकट और गहराने की आशंका जताई जा रही है।

मामले की जानकारी मिलते ही शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री धीरज बाकलीवाल एवं नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि वार्ड 16 एवं 17 घनी आबादी वाले क्षेत्र हैं। ऐसे में यदि तालाब का पानी इस प्रकार निकाला जाएगा, तो आसपास के क्षेत्रों का जल स्तर भी नीचे जाएगा, जिससे आम नागरिकों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। इसी जल स्त्रोत से स्थानीय लोग अपने रोजमर्रा के कार्य करते हैं तथा पालतू एवं अन्य पशु-पक्षियों की प्यास भी बुझती है। इसके साथ ही इस तालाब का सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व भी है, जहां प्रतिवर्ष तीज-नहावन जैसे पारंपरिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं। ऐसे महत्वपूर्ण जल स्त्रोत को इस तरह खाली करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

प्रतिभा, पारदर्शिता और अवसर से ही बनेगा भारत वैश्विक खेल शक्ति, मजबूत खेल व्यवस्था से ही ओलंपिक में सफलता संभव : उपमुख्यमंत्री अरुण साव

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

केन्द्रीय युवा कार्य और खेल मंत्रालय द्वारा श्रीनगर में आयोजित खेल चिंतन शिविर के दूसरे दिन उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने 'गुड गवर्नेंस इन स्पोर्ट्स' पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने इस दौरान छत्तीसगढ़ की खेल योजनाओं एवं भविष्य की रणनीतियों पर बेस्ट प्रेक्टिसेस पर आधारित वीडियो प्रेजेंटेशन भी दिया। श्री साव ने विभिन्न राज्यों से आए खेल मंत्रियों एवं अधिकारियों के समक्ष छत्तीसगढ़ में खेलों और खिलाड़ियों के विकास के लिए लागू बेस्ट गवर्नेंस प्रेक्टिसेस को विस्तार से साझा किया। उन्होंने विभिन्न राज्यों से सुझाव भी प्राप्त किए। चिंतन शिविर में शामिल अलग-अलग राज्यों के प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ की भावी योजनाओं की सराहना करते हुए इसे एक प्रभावी मॉडल बताया।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने राष्ट्रीय खेल चिंतन शिविर के दौरान दो दिनों तक विभिन्न राज्यों के खेल मंत्रियों एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से संवाद कर महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। उन्होंने खेलों को बढ़ावा देने की अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराते हुए छत्तीसगढ़ में बेहतर खेल अवसंरचना, प्रतिभा संवर्धन एवं खिलाड़ियों को अधिक अवसर प्रदान करने पर जोर दिया।

श्री साव ने कहा कि प्रतिभा, पारदशिर्ता और अवसर से ही भारत वैश्विक खेल शक्ति बनेगा। मजबूत खेल व्यवस्था और प्रोत्साहन से ही देश को ओलंपिक खेलों में बड़ी सफलता मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह चिंतन शिविर छत्तीसगढ़ और पूरे देश में खेलों के समग्र विकास, सुदृढ़ खेल व्यवस्था के निर्माण तथा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नई दिशा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

चिंतन शिविर के दूसरे दिन भी अलग-अलग सत्रों में खेल प्रशासन, नीतिगत सुधार एवं युवा मामलों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा की गई। इस दौरान राज्यों में खेल सामग्रियों के निर्माण, सरकारी योजनाओं तथा स्पोर्ट्स स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई। इसमें यह बात प्रमुखता से आई कि भारत में ही अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल उपकरणों का निर्माण किया जाए, जिससे देश का खेल उद्योग आत्मनिर्भर बन सके।

आज एक महत्वपूर्ण सत्र में सलेक्शन पॉलिसी और एज फ्रॉड पर भी विशेष चर्चा हुई। इसमें खिलाड़ियों के चयन में पारदशिर्ता, निष्पक्षता एवं स्पष्ट मापदंड सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। साथ ही उम्र में गड़बड़ी की रोकथाम के लिए सख्त सत्यापन प्रक्रिया एवं तकनीकी उपाय अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया गया, ताकि खेलों में ईमानदारी एवं विश्वसनीयता बनी रहे। आज का अंतिम सत्र 'माई भारत' की योजनाओं और इसकी काययीजना पर केंद्रित रहा। इसमें खेलों के साथ-साथ युवा मामलों को भी समान महत्व देते हुए केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला गया। साथ ही योजनाओं के प्रभावी प्रचार-प्रसार पर जोर दिया गया, ताकि अधिक से अधिक युवाओं तक इनका लाभ पहुंच सके।

चिंतन शिविर के समापन के दौरान केन्द्रीय युवा कार्य और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने घोषणा की कि जल्दी ही केवल युवा मामलों पर केंद्रित एक विशेष चिंतन शिविर का आयोजन किया जाएगा। दो दिवसीय चिंतन शिविर में देश के दिग्गज खिलाड़ी ओलंपियन अभिनव बिंद्रा, पुलेला गोपीचंद और गगन नारंग सहित खेल प्रशासक और नीति निर्माता भी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

खास खबर

वन्य जीव संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है राज्य सरकार : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने गरियाबंद जिले के छुरा नगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 133वें एपिसोड का श्रवण किया।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा छत्तीसगढ़ में काले हिरण के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रयासों की सराहना किया जाना पूरे प्रदेश के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य में वन्यजीव संरक्षण को नई गति मिली है, जिसके सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। एक समय विलुप्ति के कगार पर पहुंच चुकी काले हिरण की प्रजाति का पुनः दिखाई देना राज्य सरकार के प्रभावी प्रयासों का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा वन क्षेत्रों के संरक्षण, प्राकृतिक आवासों के संवर्धन तथा जैव विविधता को सुरक्षित रखने के लिए विभिन्न योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ते हुए सतत विकास की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने अपने संबोधन में कहा कि मन की बात कार्यक्रम समाज में जागरूकता और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने का एक सशक्त माध्यम है। यह कार्यक्रम देशवासियों को सामाजिक, पर्यावरणीय और राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर प्रेरित करता है तथा जनभागीदारी की भावना को मजबूत करता है। इस अवसर पर सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, विधायक रोहित साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप सहित विभिन्न जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ की बेटी शिवानी सोनी ने रचा इतिहास

छग की बेटी शिवानी ने रचा इतिहास, अंतर्राष्ट्रीय गोल्फ खिलाड़ी इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स से सम्मानित

रायपुर। अम्बिकापुर की प्रतिभाशाली गोल्फ खिलाड़ी शिवानी सोनी ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। सर्वाधिक अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली छत्तीसगढ़ की पहली महिला खिलाड़ी के रूप में शिवानी को इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा सम्मानित किया गया है। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने उनसे भेंट कर उन्हें बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि जब बेटियाँ अपनी मेहनत और प्रतिभा से सफलता के नए आयाम स्थापित करती हैं, तो पूरा समाज गर्व महसूस करता है। शिवानी सोनी की उपलब्धि न केवल युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत है, बल्कि यह छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभा का वैश्विक मंच पर सशक्त प्रमाण भी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है और ऐसे खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर शिवानी सोनी ने भी मंत्री श्री अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें प्रदेश और देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलना गर्व की बात है और वह आगे भी बेहतर प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन करने के लिए पूरी मेहनत करेंगी। शिवानी की इस उपलब्धि से अम्बिकापुर सहित पूरे प्रदेश में खुशी और गर्व का माहौल है तथा यह सफलता आने वाली पीढ़ियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

यूथ फेस्ट-2026 : सौरभ द्विवेदी का मंत्र—फिट रहें, पॉजिटिव सोचें, परिवार संग आगे बढ़ें

संस्कृतिक कार्यक्रम, लोकनृत्य, स्टार्टअप, एजुकेशन व स्किल डेवलपमेंट वर्कशॉप की रही धूम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

जिले में आयोजित यूथ फेस्ट-2026 के अंतर्गत एक विशेष प्रेरक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें देश के वरिष्ठ पत्रकार सौरभ द्विवेदी मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में युवाओं, विशेषकर छात्र-छात्राओं एवं महिलाओं को जीवन के महत्वपूर्ण मूल्यों पर केंद्रित रहते हुए आगे बढ़ने का संदेश दिया।

गौरतलब है कि यूथ फेस्ट-2026 के तहत बीते दो दिनों 24-25 को जिले के शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर में विभिन्न रचनात्मक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोकनृत्य प्रस्तुतियां, स्टार्टअप, एजुकेशन एवं स्किल डेवलपमेंट से संबंधित वर्कशॉप, फूड स्टॉल्स, कला एवं संस्कृति से जुड़ी प्रदर्शनियां तथा युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने वाले अनेक कार्यक्रम शामिल रहे। अंतिम दिवस पर दायरा बैंड (जादू बस्तर) की प्रस्तुति ने आयोजन में सांस्कृतिक रंग भर दिए और दशर्कों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अपने विचार रखते हुए उन्होंने कहा कि आज के बदलते दौर में निरंतर सीखना, स्वयं को अपडेट रखना और सकारात्मक सोच बनाए रखना ही सफलता की असली कुंजी है। उन्होंने विशेष रूप से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य (मेंटल हेल्थ) के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस समय में संतुलित जीवनशैली अपनाना अत्यंत आवश्यक है।

सौरभ द्विवेदी ने युवाओं से कहा कि वे बाहरी दुनिया की अनावश्यक आलोचनाओं और भ्रामक बातों से प्रभावित न हों, बल्कि अपने मन की सुनें और परिवार की सलाह को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि परिवार ही व्यक्ति का सबसे बड़ा शुभचिंतक होता है, इसलिए अपने माता-पिता, बहनों और परिवारजनों की चिंता करना और उनका ख्याल रखना हर युवा का दायित्व है।

महिलाओं की भूमिका पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में माताओं और बहनों की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब महिलाएं घर की जिम्मेदारियों के साथ-साथ आर्थिक एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाती हैं, तब समाज और देश की प्रगति को नई गति मिलती है। उन्होंने महिलाओं को घर और कार्य के बीच संतुलन बनाते हुए अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की भी सलाह दी।

उन्होंने युवाओं, महिलाओं एवं बच्चों को अनावश्यक विज्ञापनों और भ्रामक प्रचार से सतर्क रहने का संदेश देते हुए कहा कि सही जानकारी, जागरूकता और विवेकपूर्ण निर्णय ही उन्हें सशक्त बनाएंगे। साथ ही उन्होंने सभी से प्रतिदिन कुछ नया सीखने और अपने कौशल को निरंतर निखारने का आह्वान किया। आयोजन के लिए कार्यक्रम में महापौर रामू रोहरा, कलेक्टर अबिनाश मिश्रा, डीएफओ कृष्ण जाधव एवं शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धमतरी के प्राचार्य विनोद पाठक सहित विभिन्न महाविद्यालयों के प्राध्यापक, गणमान्य नागरिक, मीडिया प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

युवा फेस्ट-2026 का यह आयोजन युवाओं के सर्वांगीण विकास, उनकी रचनात्मकता को मंच देने और उन्हें सकारात्मक दिशा में प्रेरित करने की दृष्टि से अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायी सिद्ध हुआ। महापौर रामू रोहरा ने युवा फेस्ट-2026 विभिन्न प्रतियोगिता में विजय प्रतिभागियों को ट्राफी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से सुगम हुआ सिधमा का सफर : यात्री अरुण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय सरकार द्वारा शुरू की गई 'मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सुविधा योजना' सुदूर और नक्सल प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों को जिला मुख्यालयों से जोड़ने की एक पहल है। सुदूर अंचलों में सुगम, सुरक्षित और सस्ती सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना।

प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना सरगुजा जिले के दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों के लिए एक बड़ी राहत बनकर उभरी है। इस योजना के विस्तार से ग्रामीणों की आवागमन संबंधी बरसों पुरानी समस्या का स्थायी समाधान हो गया है, जिससे न केवल समय की बचत हो रही है, बल्कि दैनिक यात्रियों के लिए राहें भी सुगम हुई हैं।

जिले के लूण्ड्रा विकासखंड के ग्राम सिधमा के निवासी अरुण कुमार बताते हैं कि पहले उनके गाँव में बस की सुविधा उपलब्ध नहीं थी। काम के सिलसिले में प्रतिदिन अंबिकापुर आने-जाने के लिए उन्हें भारी मशक्कत करनी पड़ती थी। अरुण बताते हैं, पहले बस नहीं चलती थी, तो उन्हें 4-5 किलोमीटर तक पैदल चलकर मुख्य मार्ग तक जाना पड़ता था, तब जाकर कहीं बस मिलती थी। इससे काफी थकान होती थी और समय भी बहुत बर्बाद होता था।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत ग्राम सिधमा तक बस सेवा का परिचालन प्रारंभ होने से अब अरुण जैसे सैकड़ों ग्रामीणों को उनके गाँव से ही सीधे परिवहन की सुविधा मिल रही है। अब उन्हें पैदल चलने की मजबूरी से मुक्ति मिल गई है। अरुण ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें काम पर आने-जाने में कोई परेशानी नहीं होती और वे सुरक्षित एवं समय पर अपने गंतव्य तक पहुँच पा रहे हैं।

ग्रामीण अंचलों में बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करने की इस पहल से ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है। अरुण ने इस महत्वपूर्ण सुविधा के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना शुरू होने से हमारे पूरे गाँव को बहुत बड़ी सुविधा मिली है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न ग्रामीण रूटों पर बसों का सुचारू संचालन किया जा रहा है, ताकि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के लिए ग्रामीणों को शहर तक पहुँचने की सुविधा उपलब्ध हो।

'मन की बात' में छत्तीसगढ़ का निरंतर जिक्र गौरव की बात : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में छत्तीसगढ़ में काले हिरण के संरक्षण के प्रयासों का उल्लेख किए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इसे प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों का लगातार जिक्र होना न केवल राज्य की पहचान को सुदृढ़ करता है, बल्कि प्रदेशवासियों के मनोबल को भी नई ऊंचाई प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने राजधानी रायपुर के भाटागांव स्थित विनायक सिटी में विशाल जनसमूह के साथ मन की बात की 133वीं कड़ी का श्रवण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मन की बात आज देश के जनमानस को जोड़ने वाला एक सशक्त माध्यम बन चुका है, जिसके जरिए देश के

कोने-कोने में हो रहे नवाचार, जनभागीदारी और जमीनी स्तर के उत्कृष्ट प्रयासों को राष्ट्रीय पहचान मिलती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक अभिभावक की तरह देशवासियों से संवाद करते हुए न केवल प्रेरणादायक कहानियों को सामने लाते हैं, बल्कि समाज के हर वर्ग को सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित भी करते हैं। इस संवाद के माध्यम से लोगों में सहभागिता की भावना मजबूत होती है और राष्ट्र निर्माण की दिशा में सामूहिक प्रयासों को नई ऊर्जा मिलती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में काले हिरण संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों का राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेख होना राज्य के लिए विशेष सम्मान का विषय है। इससे यह स्पष्ट होता है कि पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता के प्रति प्रदेश की प्रतिबद्धता मजबूत है। साथ ही, यह अन्य राज्यों के लिए भी एक प्रेरणादायक मॉडल के रूप में उभर रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि बांस को पेड़ की श्रेणी से अलग कर विशेष श्रेणी में शामिल किए जाने के बाद इसके उपयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे विशेष रूप से महिलाओं की आय में सकारात्मक बदलाव आया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री द्वारा पवन ऊर्जा की आवश्यकता और संभावनाओं पर दिए गए विशेष जोर का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी इस दिशा में निरंतर और ठोस प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे भविष्य में ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने एक अनूठी पहल करते हुए उपस्थित जनसमूह के साथ घर से लाए गए छत्तीसगढ़ी व्यंजनों को साझा कर साथ में भोजन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी विश्वास, अपनापन और एकता की भावना को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, वन मंत्री केदार कश्यप, विधायक पुरन्दर मिश्रा, विधायक संपत अग्रवाल, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन, अजय जामवाल, अखिलेश सोनी, रमेश ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

बरनवापारा अभयारण्य बना विलुप्ति के कगार पर पहुंचे काले हिरणों के पुर्नजीवन का मजबूत उदाहरण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

यह छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के आज के प्रसारण में छत्तीसगढ़ के काले हिरण के संरक्षण प्रयासों का उल्लेख करते हुए सराहना की। इसने न केवल छत्तीसगढ़ की पहचान को सुदृढ़ किया है, बल्कि जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे लोगों का मनोबल भी बढ़ाया है। इस उल्लेख से राज्य की पर्यावरणीय पहल राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता से सामने आई हैं और बारनवापारा अभयारण्य को नई पहचान मिली है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के भाटागांव स्थित विनायक सिटी में 'मन की बात' कार्यक्रम की 133वी कड़ी के श्रवण के बाद यह बात कही।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में स्थित, लगभग 245 वर्ग किलोमीटर में फैला बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य आज वन्यजीव संरक्षण की एक महत्वपूर्ण सफलता के रूप में उभरा है।

एक समय ऐसा था जब यह अभयारण्य अपने प्रमुख वन्यजीव – काले हिरण – से लगभग खाली हो चुका था। लेकिन अब यही क्षेत्र करीब 200 काले हिरणों (ब्लैकबक) का सुरक्षित आवास बन गया है। यह उपलब्धि योजनाबद्ध प्रयास, वैज्ञानिक प्रबंधन और निरंतर निगरानी का परिणाम है। बारनवापारा के खुले घास के मैदानों में काले हिरणों की सक्रिय मौजूदगी इस बात का प्रमाण है कि लंबे समय बाद भी किसी प्रजाति को उसके प्राकृतिक परिवेश में पुनस्थार्पित किया जा सकता है। जो क्षेत्र कभी सूना

हो गया था, वह अब पुनर्जीवन की एक सशक्त कहानी प्रस्तुत कर रहा है।

छत्तीसगढ़ में इस उपलब्धि तक पहुंचने की प्रक्रिया लंबी और चुनौतीपूर्ण रही है। 1970 के दशक के बाद अतिक्रमण और प्राकृतिक आवास के नुकसान के कारण काले हिरण इस क्षेत्र से लगभग समाप्त हो गए थे और करीब पांच दशकों तक यहां स्थानीय रूप से विलुप्त रहे।

अप्रैल 2018 में आयोजित राज्य वन्यजीव बोर्ड की नौवीं बैठक में

पुनर्स्थापन योजना को स्वीकृति मिलने के बाद स्थिति में बदलाव आया। इसके बाद एक सुविचारित योजना के तहत काले हिरणों को फिर से बसाने की प्रक्रिया शुरू की गई। इसी प्रयास के परिणामस्वरूप उनकी संख्या बढ़कर लगभग 200 तक पहुंची और इस सफलता को रविवार को प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम में भी उल्लेखित किया गया।

संरक्षण के शुरुआती चरण में कई चुनौतियां सामने आईं। वन अधिकारियों के अनुसार, निमोनिया के कारण लगभग आठ काले हिरणों की मृत्यु हुई, जिसके बाद प्रबंधन प्रणाली में सुधार किए गए। बाड़ों में मजबूत सतह के लिए रेत की परत बिछाई गई, जलभराव रोकने के लिए उचित निकासी व्यवस्था विकसित की गई, अपशिष्ट प्रबंधन को बेहतर बनाया गया और एक समर्पित पशु चिकित्सक की नियुक्ति की गई।

इन सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप काले हिरणों की आबादी पहले स्थिर हुई और फिर धीरे-धीरे बढ़ने लगी। बेहतर पोषण, नियमित निगरानी और अनुकूल वातावरण के कारण आज इनकी संख्या लगभग 200 तक पहुंच चुकी है। यह इस बात का संकेत है कि ये अपने नए परिवेश में सफलतापूर्वक अनुकूलित हो चुके हैं और भविष्य में इन्हें खुले जंगल में छोड़ने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण आधार तैयार करता है।

काला हिरण (ब्लैकबक) भारतीय उपमहाद्वीप में पाया जाने वाला एक संकटग्रस्त मृग है। नर काले हिरण का रंग गहरा भूरा से काला होता है, उसके लंबे सपिर्लाकार सींग होते हैं और शरीर का निचला भाग सफेद होता है। मादा काले हिरण हल्के भूरे रंग की होती हैं और सामान्यतः उनके सींग नहीं होते। यह प्रजाति खुले घास के मैदानों में पाई जाती है और दिन के समय सक्रिय रहती है। इसका मुख्य आहार घास और छोटे पौधे होते हैं। इनकी ऊंचाई लगभग 74 से 84 सेंटीमीटर होती है। नर का वजन 20 से 57 किलोग्राम के बीच और मादाओं का 20 से 33 किलोग्राम तक होता है। नर काले हिरण की सपिर्लाकार सींगें, जो लगभग 75 सेंटीमीटर तक लंबी हो सकती हैं, इन्हें आसानी से पहचानने योग्य बनाती हैं।

संपादकीय

पार्टी टूटती है जब नेता तानाशाह हो जाता है

देश में बहुत कम राजनीतिक दल हैं जो किसी आंदोलन के कारण बने हैं। आम आदमी पार्टी एक ऐसा ही राजनीतिक दल है जो भ्रष्टाचार के खिलाफ देश में हुए आंदोलन से बना। कांग्रेस के खिलाफ भ्रष्टाचार के मुद्दे को ईमानदार नेता अन्ना हजारे ने उठाया और देश में परिवर्तन की लहर पैदा की। इस परिवर्तन की लहर के चलते कांग्रेस सत्ता से हटाई गई और पीएम मोदी के नेतृत्व में एक ऐसी सरकार बनी जैसी सरकार बरसों से जनता चाहती थी लेकिन वह बन नहीं पाती थी, वह गिर जाती थी या गिरा दी जाती थे। अन्ना हजारे के आंदोलन के चलते बहुत सारे नेता एकत्र हुए और अन्ना हजारे के न चाहने पर भी आम आदमी पार्टी के रूप में एक राजनीतिक दल बनाया गया। आम आदमी पार्टी को सही मायने में अच्छे नेताओं ने मिलकर बनाया था।इसके सारे अच्छे नेताओं को एक एक कर अरविंद केजरीवाल ने पार्टी से निकालकर या पार्टी छोड़ने को मजबूर कर आप पर कब्जा कर लिया।

जब किसी पार्टी पर एक नेता या कुछ नेताओं का कब्जा हो जाता है तो वही होता है जो आप में हो रहा है। या तो नेता पार्टी के नेताओं को पार्टी से निकालता है या पार्टी के नेता खुद ही पार्टी छोड़कर चले जाते हैं। सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस हैं, कांग्रेस में एक परिवार का कब्जा है इसलिए कई बड़े नेता पार्टी छोड़ने को मजबूर कर दिये जाते हैं और शरद पवार व ममता बैनर्जी जैसे लोग कांग्रेस से अलग होकर अपनी पार्टी बना लेते हैं।जब भी किसी राजनीतिक पर एक नेता या कुछ नेताओं का कब्जा हो जाता है वह चाहते हैं कि लोग वही करें जो वह चाहते हैं। वह वही करें जो वह कहते हैं, वह वही कहें जो वह कहने को कहते हैं। पार्टी पर कब्जा कर खुद को सबसे शक्तिशाली नेता समझने वाले लोग भूल जाते हैं कि पार्टी तब ही मजबूत होती है जब उसमें बहुत सारे मजबूत नेता होते है।

अरविंद केजरीवाल बातें को बहुत बड़ी बड़ी करते हैं लेकिन हकीकत में वह दूसरे परिवारवादी दलो के नेताओं की तरह ही है यानी पार्टी के लोग वही करें जो मै कहता है, वहीं करें जो मैं करने को कहता हूं। मैं मोदी व भाजपा का विरोध कर रहा हैं सबको भाजपा व मोदी को विरोध करना है और सिर्फ यही करना है।किसी भी पार्टी में जो समझदार नेता होते हैं वह तानाशाही सहन नहीं कर पाते हैं। राघव चड्ढा आप के ऐसे नेता हैं जिनकी अपनी छवि जनता के मुद्दे उठाने नेता की हैं और उन्होंने संसद के पिछले एक दो सत्र में जनता के मुद्दे उठाए और उनकी देश में वाहवाही भी हुए कि वह आप के दूसरे नेताओं जैसे नहीं है,वह जनता के नेता है, जनता के मुद्दे उठाते हैं। ऐसी छवि आप के किसी नेता को बने यह केजरीवाल को पसंद आ ही नहीं सकता था क्योंकि केजरीवाल को वहम है कि आप में वही एक नेता ऐसे हैं जो जनता के मुद्दे उठाता है।

राघव चड्ढा से आप मे रहते हुए यह गलती हो गई कि उन्होंने खुद को केजरीवाल से बेहतर नेता बताने की कोशिश की और उनको ऐसा नेता माना गया तो केजरीवाल को लगा होगा कि यह तो मेरी बराबरी कर रहा है यानी जनता का नेता बनने की कोशिश कर रहा है। इसलिए राघव चड्.डा को राज्यसभा में पहले पार्टी के उपनेता पद से हटाया गया और बता दिया गया कि पार्टी में अब उनकी वह जगह नहीं है जो अब तक थी। इसके बाद केजरीवाल का अगला कदम होता कि उनको किसी बहाने से पार्टी से निकाल दिया जाता। इससे पहेल की केजरीवाल राघव चड्ढा को पार्टी से निकालते राघव चड्.डा ने केजरीवाल को ऐसा सबक सिखाया है जो और कोई नेता नहीं सिखा पाया।राघव चड्ढा आप के छह राज्यसभा सांसदों के साथ अलग होकर भाजपा में शामिल हो गए।

यह तो केजरीवाल को जख्म देकर उस पर नमक छिड़कने जैसा काम हो गया। राघव चड्ढा पार्टी से अलग हो जाते यह केजरीवाल के लिए छोडा झटका होता क्योंकि वह उनको खुद ही देरसबेर पार्टी से निकालते ही क्योंकि जो कोई नेता भी खुद को केजरीवाल से बेहतर बताने या जताने को कोशिश करता है, केजरीवाल उसे पार्टी में रहने नहीं देते हैं। राघव चड्.डा खुद तो भाजपा में गए और साथ में छह और लोगों को भी ले गए। यानी दिल्ली पंजाब में भाजपा को ऐसे नेताओं की जरूरत थी जो केजरीवाल के खिलाफ दिल्ली,पंजाब में कुछ बोले तो लोगों को यह लगे कि वह सच कह रहे है। दिल्ली से केजरीवाल को उखाड़ने के बाद उनकी जड़े पंजाब मे खोदी जाएंगी और इस काम में राघव चड्ढा आदि नेताओं का उपयोग किया जाएगा।पंजाब में वैसे ही भाजपा को नेताओं की जरूरत है अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए। राघव चड्.डा ने भाजपा मे शामिल होकर यह काम कुछ आसान कर दिया है।

पुस्तक चर्चा : भारतीय विचार के मजबूत स्तंभ '11 महानायक'

डॉ. लोकेन्द्र सिंह

भारत में महापुरुषों की एक लंबी शृंखला है। भारत के सुदीर्घ इतिहास के प्रत्येक कालखंड में हमें ऐसे नायक दिखाई देते हैं, जिन्होंने भारतीय समाज का मार्ग प्रशस्त किया। ऐसे में कुछ नायकों को चुनना और उनके व्यक्तित्व पर लिखना, अत्यंत कठिन कार्य है। अपने लेखन के दौरान प्रो. संजय द्विवेदी समय-समय पर भारत के नायकों के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर लिखते रहे हैं। उनमें से ही 11 नायकों का चयन करके उन्होंने एक पुस्तक तैयार की है, जिसका नाम है- '11 महानायक'। 'संस्मय प्रकाशन' से प्रकाशित पुस्तक '11 महानायक' भारतीय इतिहास और नवजागरण के उन देदीप्यमान नक्षत्रों की गाथा है, जिन्होंने अपने त्याग, संघर्ष और वैचारिक स्पष्टता से एक सशक्त भारत की नींव रखी। यह पुस्तक 'गागर में सागर' भरने का एक सफल प्रयास है, जो पाठकों को भारत के महान सपूतों के जीवन-दर्शन से सीधे जोड़ती है।

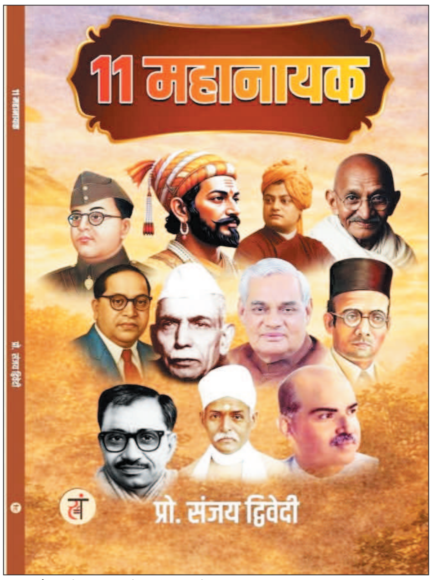

लेखक प्रो. संजय द्विवेदी ने अपनी इस कृति में छत्रपति शिवाजी महाराज के माध्यम से युवाओं को स्वराज्य और सांस्कृतिक गौरव की भावना से जोड़ने का प्रयास किया है। लेखक बताते हैं कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने सैन्य प्रणाली में कई प्रयोग किए। महाराज ने लोकमंगल के साथ शासन किया। वहीं, आध्यात्मिक पुनर्जागरण के पुरोधा स्वामी विवेकानंद तो युवाओं के नायक हैं, उनके व्यक्तित्व के कई पहलुओं की ओर इस पुस्तक में संकेत किया गया है। स्वामी विवेकानंद ने सोते हुए राष्ट्र को जगाया और उसका परचम दुनिया में फहराया। स्वराज्य, राष्ट्रीय एकता-अखंडता एवं सामाजिक समरसता का भाव जगाने वाले राजनीतिक क्षेत्र के महापुरुषों- पं. मदन मोहन मालवीय, महात्मा गांधी, स्वातंत्र्यवीर सावरकर, डॉ. भीमराव अंबेडकर, डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी के विचारों से भी यह पुस्तक हमें अवगत कराती है।

भारत की राजनीति में भारतीयता के विचार को स्थापित करने में महत्त्वपूर्ण योगदान श्यामाप्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी ने दिया है। स्वातंत्र्यवीर सावरकर के बारे में रोमांच जगाने वाले तथ्यों को शामिल किया गया है। जो लोग पूछते हैं कि वीर सावरकर को 'वीर' किसने कहा, उन्हें पता होना चाहिए कि सरदार भगत सिंह ने इस महान क्रांतिकारी के लिए 'मतवाला' में लेख लिखा था, जिसमें उन्होंने सावरकर को न केवल वीर कहा है अपितु पूजनीय भी कहा है। इस लेख में सरदार भगत सिंह ने स्वातंत्र्यवीर सावरकर पर छींटाकशी करने वाले संकीर्ण मानसिकता के लोगों को लताड़ा भी है।

लेखक प्रो. द्विवेदी ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस के जीवन प्रसंगों को बहुत कुशलता से उकेरा है। नेताजी के जीवन से युवाओं को सीखना चाहिए कि अपने लक्ष्य के लिए किस प्रकार निरंतर प्रयास करने होते हैं। अपने संकल्पों को सिद्धि तक ले जाने की नेताजी की क्षमता अद्वितीय थी। इसके साथ ही पुस्तक में सामाजिक न्याय और एकात्मता के शिल्पी बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की पत्रकारिता को रेखांकित किया गया है। बाबा साहेब पत्रकारिता के माध्यम से मूक समाज की आवाज को ताकत देकर हम सबके नायक बने। इसके साथ ही, यह पुस्तक महान साहित्यकार, क्रांतिकारी एवं स्वतंत्रता सेनानी पंडित माखनलाल चतुर्वेदी जी की पत्रकारिता की धारा से भी परिचित कराती है।

स्वतंत्रता के पहले और उसके बाद भी, भारतीय पत्रकारिता को मूल्यों के साथ जोड़ने के माखनलाल जी के प्रयास उल्लेखनीय हैं। पंडित माखनलाल चतुर्वेदी ही पहले संपादक थे, जिन्होंने पत्रकारों को गढ़ने के लिए विद्यापीठ का विचार दिया। उनके उसी विचार को साकार करते हुए मध्य प्रदेश सरकार ने 'माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय' की स्थापना की। माखनलाल जी ने 1927 में राजस्थान के भरतपुर में आयोजित संपादक सम्मेलन में कहा था कि हिन्दी समाचार पत्रों के कार्यालयों में योग्य व्यक्ति आएँ, इसके लिए एक विद्यापीठ की आवश्यकता है।

उल्लेखनीय है कि प्रो. संजय द्विवेदी एक जाने-माने संचारविद् हैं। वे भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली यानी आईआईएमसी के महानिदेशक रह चुके हैं। साथ ही वे माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में प्राध्यापक और जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं। उनकी यह पृष्ठभूमि इस पुस्तक की भाषा-शैली एवं विषय-वस्तु में स्पष्ट झलकती है। पुस्तक की भाषा प्रवाहपूर्ण और सहज है। ऐतिहासिक तथ्यों को बिना किसी बोझिलता के, सहजता के साथ प्रस्तुत किया गया है। वैचारिक विविधताओं एवं विविध कार्यक्षेत्रों के बावजूद, इन सभी महानायकों के भीतर जो एक 'राष्ट्र-प्रथम' का भाव था, उसे यह पुस्तक बहुत ही खूबसूरती से रेखांकित करती है।

आज के समय में, जब युवा पीढ़ी अपने इतिहास और आदर्शों से दूर होती जा रही है, यह पुस्तक एक सेतु का काम करती है। यह पाठकों को यह समझने में मदद करती है कि आधुनिक भारत का निर्माण कई महानायकों के सामूहिक तप का प्रतिफल है। यह पुस्तक युवा पीढ़ी के मन में अपने नायकों को जानने की जिज्ञासा पैदा करती है कि वे और अधिक पढ़ें, और दूसरे नायकों के बारे में पढ़ें। कुल मिलाकर, '11 महानायक' एक ऐसी पुस्तक है जिसे सब पढ़ सकते हैं। कम समय में भारतीय जनमानस को गढ़ने वाले प्रमुख नायकों के बारे में प्रामाणिक और प्रेरणादायी जानकारी यह पुस्तक देती है।

(समीक्षक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक हैं।)

परिस्थितियों के अनुकूल ढलने से सफलता

डॉ. रेनू सत्री

ऑर्टोवर्ट व्यक्ति न तो पूरी तरह से बहिर्मुखी होता है और न ही पूरी तरह अंतर्मुखी, अपितु उसके अंदर दोनों के गुणों का समावेश होता है। इन गुणों का प्रयोग वह परिस्थितियों और वातावरण के अनुरूप करता है और बड़ी से बड़ी परेशानी और समस्या का हल निकाल लेता है। हम सभी अंतर्मुखी और बहिर्मुखी शब्दों से अच्छी तरह परिचित हैं। ये शब्द बोलते ही हमारे परिचित चेहरे अंतर्मुखी या बहिर्मुखी सांचे में फिट हो जाते हैं। इन दोनों शब्दों के अलावा एक और शब्द है ऑटीवर्ट। यह एक ऐसा शब्द है जो अंतर्मुखी और बहिर्मुखी दोनों के बीच संतुलन स्थापित करता है अथवा सेतु का निर्माण करता है। किसी भी चीज की अधिकता अथवा न्यूनता दोनों ही दिक्कत उत्पन्न करती है। जहां संतुलन उत्पन्न हो जाता है, वहां सब सही हो जाता है।

ऑर्टोवर्ट को और अधिक सरल तरीके से समझते हैं। इसका सरल अर्थ हुआ—वह व्यक्ति जो अपनी ऊर्जा और व्यवहार को परिस्थितियों के अनुरूप या दूसरों को देखते हुए कुशलता से ढाल लेता है। ऑटीवर्ट व्यक्ति न तो पूरी तरह से बहिर्मुखी होता है और न ही पूरी तरह अंतर्मुखी, अपितु उसके अंदर दोनों के गुणों का समावेश होता है। इन गुणों का प्रयोग वह परिस्थितियों और वातावरण के अनुरूप करता है और बड़ी से बड़ी परेशानी और समस्या का हल निकाल लेता है। ऑटीवर्ट व्यक्ति के अंदर अनुकूलन क्षमता कूट-कूट कर भरी होती है। जो व्यक्ति अनुकूलन क्षमता के गुणों से भरा होता है, वह कठिन और विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखता है। ऐसे में कई बार अनहोनी और दुर्घटनाएं हो जाती हैं। वहीं ऑर्टोवर्ट व्यक्ति कुशलता से बड़ी दुर्घटनाओं को होने से रोक लेते हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ऑर्टोवर्ट थे। वे स्वयं को परिस्थितियों के अनुरूप बहुत ही सहजता और सरलता से ढाल लेते थे। उन दिनों अमेरिका में गृहयुद्ध छिड़ने के कारण हर ओर तनाव का माहौल बना हुआ था। राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की रातों की नींद उड़ी हुई थी। एक दिन इलिनॉय से उनका कोई पुराना साथी व्हाइट हाउस पहुंचा। उसने द्वार रक्षक से राष्ट्रपति से मिलने की इच्छा प्रकट की। द्वार रक्षक बोला, यह समय उनसे मिलने का नहीं है। वे अभी कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक में हैं और देश के बारे में गंभीर चर्चा चल रही है। यह सुनकर वह व्यक्ति बोला, तुम बस एब को इतना बता दो कि ओरलैंडो केलॉग आया है और उन्हें हकलाते इंसाफ वाला किस्सा सुनाना चाहता है, वे मुझे तुरंत बुला लेंगे। अब्राहम लिंकन को उनके करीब से जानने वाले एब कहकर पुकारा करते थे।

द्वार रक्षक के बार-बार मना करने पर भी जब आंगतुक नहीं माना तो द्वार रक्षक ने यह संदेश लिंकन तक पहुंचा दिया। संदेश सुनते ही लिंकन ने उसे तुरंत अंदर लाने का आदेश दिया। इसके बाद उन्होंने सबके समक्ष उससे गमजीशी से हाथ मिलाया। फिर वे अपनी कैबिनेट की ओर मुखातिब होकर बोले, सज्जनों, ये मेरे बहुत ही आत्मीय और पुराने मित्र ओरलैंडो केलॉग हैं। ये हमें हकलाते इंसाफ का किस्सा सुनाना चाहते हैं। वह बहुत दिलचस्प किस्सा है। मेरे विचार में इन गंभीर पलों में हमें वह किस्सा सुनना चाहिए। इसलिए फिलहाल सब काम रोक कर वह किस्सा सुनते हैं। इसके बाद ओरलैंडो केलॉग वह किस्सा सुनाते रहे और अब्राहम लिंकन ठहाके पर ठहाके लगाते रहे, जबकि कैबिनेट के अन्य राजनीतिज्ञ और राष्ट्रीय समस्याएं प्रतीक्षा करती रहीं। उस समय सबको यही लग रहा था कि ऐसे अकुशल, अनगढ़ व्यक्ति के हाथों में देश का भविष्य है लेकिन वे लोग यह नहीं जानते थे कि अब्राहम लिंकन का यही अलहदा अंदाज समस्याओं और चुनौतियों से निपटने का कुशल हथियार था और वाकई उनके ऑर्टोवर्ट व्यक्तित्व ने ही उन्हें इतिहास पुरुष के रूप में स्थापित कर दिया।

प्रत्येक व्यक्ति अपने अंदर ऑर्टोवर्ट गुणों का विकास कर सकता है। उसके लिए अपने अंदर प्रतिदिन निम्नलिखित बातों का विकास करना है—

चयनित मौन : हर वक्त अपनी राय रखना जरूरी नहीं है। कई बार मौन रहकर गहराई से बात को समझने का प्रयास करना चाहिए। गहराई व्यक्ति के कार्य को स्पष्टता और सुदृढ़ स्वर प्रदान करती है।

ऊर्जा की वृद्धि : सुबह योग, व्यायाम, अध्यात्म और श्वासों के द्वारा अपनी ऊर्जा को बढ़ाएं। जब आप नियमित अपनी ऊर्जा को सही जगह पर लगाते हैं तो धीरे-धीरे दूसरों की ऊर्जा को पहचानकर उसके अनुरूप प्रतिक्रिया देने की शक्ति विकसित होती जाती है।

आत्मीयता का विकास : जब एक व्यक्ति दिखावे के बजाय किसी के साथ आत्मीयता स्थापित करता है, तो मन के आंतरिक बिंदु व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारते हैं। उसके सामने से धुंधली चीजें हट जाती हैं। सच्ची आत्मीयता परिस्थितियों के अनुरूप सहज दृष्टिकोण विकसित करने में मुख्य भूमिका निभाती है।

लचीलापन : जड़ता व्यक्ति को झुकने से रोकती है, जबकि लचीलेपन का गुण व्यक्ति के अंदर हर स्थिति को सहजता से सुलझाने का प्रयास करता है।

वर्तमान समय में व्यक्तियों को ऑर्टोवर्ट होना चाहिए क्योंकि ये हर तरह के प्रबंधन को मजबूत करता है। ऑर्टोवर्ट व्यक्ति जीवन के सबसे बुरे पड़ाव को भी आराम से पार कर लेता है क्योंकि उसके अंदर स्वयं को परिस्थितियों के अनुरूप मोड़ने की कला आ जाती है।

पोषण निगरानी ऐप : कुपोषण के समाधान के लिए डेटा का उपयोग

प्रो. लिंडसे जैक्स

हममें से कई लोग अपने डॉक्टरों को इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड में जानकारी दर्ज करते हुए देखते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि ये डेटा समय के साथ हमारे स्वास्थ्य की निगरानी करने में मदद करेंगे, जोखिमों की शुरुआत में ही पहचान कर लेंगे और समय पर कार्रवाई को निर्देशित करेंगे। डिजिटल प्रणालियाँ केवल डेटा संग्रह के कारण ही नहीं, बल्कि जानकारी को निर्णय और बेहतर देखभाल में बदलने में मदद करने की वजह से सबसे बेहतर काम करती हैं।

महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा 2021 में लॉन्च किए जाने के बाद, पोषण निगरानी ऐप ने पोषण सेवा अदायगी डेटा को अधिक कार्रवाई-योग्य बनाने का प्रयास किया है। इसका उद्देश्य केवल डिजिटलीकरण करना नहीं, बल्कि बाल विकास और पोषण सेवाओं को दर्ज करने और समीक्षा करने में अधिक गंभीरता और निरंतरता लाना है।

पोषण निगरानी में नियमित रूप से एकत्र किए गए वृद्धि डेटा को अंतिम सिरे पर खड़े व्यक्ति के लिए सार्थक निणर्यों में बदलने की क्षमता है। मासिक वृद्धि निगरानी—यदि सही ढंग से मापी जाए और लगातार रिकॉर्ड की जाए—तो जोखिम के शुरुआती संकेत प्रदान कर सकती है। एक एकल, निरंतर मौजूद इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड, वृद्धि रुझानों को पूरक पोषण उपायों से जोड़ने में मदद कर सकता है, जैसे घर ले जाने वाला राशन, देखभाल करने वालों का परामर्श और गंभीर कुपोषण से पीड़ित बच्चों को स्वास्थ्य केंद्रों में रेफर करना आदि।

इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए, हमें डैशबोर्ड से निर्णय की ओर और गणना से देखभाल की ओर बदलाव करने की आवश्यकता है। अंतर्निहित संकेत, सरल चेकलिस्ट और चेतावनी; आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को कमजोर या गंभीर कुपोषण के शिकार बच्चों के लिए बाद की कार्रवाई करने में मदद कर सकती है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय तथा आरसीएच 2.0 पोर्टल के डेटा के साथ एकीकरण, समन्वय की साथ की गयी घर की यात्रा के जरिये रेफरल फॉलो-अप को और भी मजबूत कर सकता है।

वतर्मान में, एकत्रित वृद्धि डेटा एक महत्वपूर्ण शुरुआती बिंदु प्रदान करता है। मापन प्रथाओं और प्रणाली समर्थन में सुधारों के साथ, यह समय पर निर्णय लेने में भरोसेमंद जानकारी प्रदान कर सकता है। सटीक निर्णय मूलभूत चीजों को ठीक करने पर निर्भर करते हैं—भरोसेमंद मापन, सही तकनीकें और कार्यात्मक उपकरण। यदि किसी बच्चे की ऊँचाई या वजन एक महीने में असामान्य रूप से बदलता है, तो प्रणाली को सत्यापन या पुनः मापन का संकेत देना चाहिए। ऐप में शामिल छोटे माइक्रो-वीडियो देखभाल के स्थल पर वजन पैमाने और लंबाई बोर्ड के सही उपयोग को सुदृढ़ कर सकते हैं। समान रूप से महत्वपूर्ण यह सुनिश्चित करना भी है कि प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र में माप-संकेत वाले और कार्यात्मक उपकरण मौजूद हों। ये मूलभूत बातें वृद्धि निगरानी डेटा की उपयोगिता को मजबूत करने के लिए आवश्यक हैं।

पोषण निगरानी डेटा का विश्लेषण डैशबोर्ड से निर्णय लेने की प्रक्रिया में बदलाव का भी समर्थन कर सकता है। सबसे पहले, हमें पता होना चाहिए कि कुपोषण की सबसे अधिक संभावना कब होती है—किस उम्र में और वर्ष के किन महीनों में। क्या यह जन्म के समय होता है? या क्या 0 से 3 महीने या 3 से 6 महीने महत्वपूर्ण हैं, जब माताओं को केवल स्तनपान कराने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है? या यह 6 महीने से 1 साल के दौरान होता है, जब पर्याप्त, उचित और सुरक्षित पूरक आहार की आवश्यकता होती है?

पोषण निगरानी डेटा के विश्लेषण से हमें उन बच्चों के बारे में और ज़्यादा जानने में भी मदद मिल सकती है जो कुपोषण से ठीक हो जाते हैं। क्या कुछ खास जिलों के बच्चों में ठीक होने की संभावना ज़्यादा होती है? क्या खरीफ फसल की कटाई वाले महीनों के दौरान बच्चों के ठीक होने की संभावना अधिक होती है? इसी तरह, ऐसे विश्लेषण हमें उन बच्चों के बारे में और भी बहुत कुछ बता सकते हैं जो अपने पूरे बचपन के दौरान बार-बार या लगातार कुपोषण का शिकार होते रहते हैं। क्या ये वे बच्चे हैं, जो जन्म के समय से ही कुपोषण के शिकार थे और बाद में भी पूरी तरह से ठीक नहीं हो पाए? क्या ये वे बच्चे हैं, जिन्हें घर ले जाने वाला राशन नियमित रूप से नहीं मिल रहा है? इस तरह की जानकारी होने पर, स्थानीय स्तर पर पोषण सेवा अदायगी को बेहतर बनाया जा सकता है।

डेटा पर भरोसा बढ़ाना, अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं के कायर्भार में कमी लाने के लिए भी महत्वपूर्ण होगा। प्रणाली में विश्वास बढ ? के साथ, अधिक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्राथमिक रिकॉर्ड के रूप में ऐप का उपयोग करने की शुरुआत कर रहे हैं। हालांकि, कई जगहों पर, संचार-संपर्क की समस्याओं या अनुपालन आवश्यकताओं के कारण डिजिटल प्रविष्टि के साथ-साथ कागजी रजिस्टर भी रखे जाते हैं। ऑफलाइन कार्यक्षमता को मजबूत करना, डेटा की विश्वसनीयता में सुधार करना और डिजिटल-प्रथम कार्यप्रवाह पर स्पष्टता प्रदान करना, सेवा स्थल पर डेटा प्रविष्टि की ओर बदलाव को गति देने और दोहरी रिपोर्टिंग की आवश्यकता को कम करने में मदद कर सकता है। प्रणाली को परिष्कृत करने में अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को शामिल करने से यह सुनिश्चित करने में मदद मिल सकती है कि ऐप उनके काम में सहायक हो।

पोषण निगरानी ऐप समय पर और सोच-समझकर फैसले लेने में मदद करने वाला एक भरोसेमंद उपकरण है। इसकी असली ताकत जोखिम की जल्द पहचान करने, तेजी से बाद की कार्रवाई करने और पोषण सेवाओं के बेहतर तालमेल को सक्षम बनाने में है। आखिरी छोर की जमीनी हकीकतों को ध्यान में रखकर बनाया गया और डेटा की गुणवत्ता व इसके इस्तेमाल में हुए लगातार सुधारों से और मजबूत बनाया गया पोषण निगरानी ऐप, सिर्फ एक निगरानी उपकरण ही नहीं, बल्कि पोषण सेवा अदायगी को मजबूत बनाने का एक सार्थक उपाय भी है।

उलझते जाने के ही संकेत

अमेरिका और इजराइल ने जो युद्ध शुरू किया, उसके और उलझते जाने के ही संकेत हैं। इससे फिर यह जाहिर हुआ है कि युद्ध शुरू करना भले आसान हो, लेकिन उससे निकलना हमलावर देश के भी हाथ में नहीं रह जाता।

डॉनल्ड ट्रंप ईरान के लिए अश्लील गाली-गलौच की हद तक उतर आए हैं। ऐसी धमकियां तो वे पहले से दे रहे हैं, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय संधियों और नियमों के तहत युद्ध अपराध माना जाएगा। बहरहाल, रविवार को ईरान को नेस्तनाबूद करने की धमकी देने के कुछ ही घंटों बाद उन्होंने ये कथित राज भी खोला कि ईरान से अच्छी बातचीत हुई है, जिससे युद्ध जल्द खत्म हो सकता है। मगर ऐसे बयान इतनी बार दोहराए गए हैं कि उनसे अमेरिका के शेयर बाजारों का भी भरोसा टूटने लगा है, जिन्हें संभाले रखने की कोशिश में ट्रंप का अंदाज बेहद गरमाने के बाद उतनी ही तेजी से ठंडा हो जाता है!

इस बीच अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर जो युद्ध शुरू किया, उसके और उलझते जाने के ही संकेत हैं। इससे फिर ये बात जाहिर हुई है कि युद्ध शुरू करना भले आसान हो, लेकिन उससे निकलना हमलावर देश के भी हाथ में नहीं रह जाता। युद्ध का अपना गतिशास्त्र होता है और उसने मौजूदा लड़ाई को अपने तकर्जाल में फंसा लिया है। इस दौरान ईरान में बड़े पैमाने पर बर्बादियां हुई हैं, मगर अमेरिका को हुए नुकसान को देखकर दुनिया चकित है। ईरान के इस्फहान इलाके में मार गिराए गए एफ-16 विमान के पायलट को बचाने की कोशिश में अमेरिका को अनेक विमान और हेलीकॉप्टरों का नुकसान झेलना पड़ा।

उससे संकेत मिला कि ईरान पर जमीनी हमला करना कितना जोखिम भरा होगा। जबकि ऐसे हमले के बिना ईरान को परास्त करना हर रोज अधिक कठिन नज ? आने लगा है। इस बीच अमेरिकी मीडिया में अमेरिका को हो रहे सैन्य एवं आर्थिक नुकसानों की खबरें सुर्खियों में हैं। युद्ध शुरू करने के पीछे ट्रंप परिवार और उनके मंत्रियों के निहित स्वार्थ की चर्चाएं भी खुलकर हो रही हैं। नतीजा है देश के अंदर इस युद्ध का लगातार अधिक अलोकप्रिय होते जाना। इसके दबाव में ट्रंप युद्ध से निकलने का ऐसा तरीका चाहते हैं, जिसे वे अपनी जीत बता सकें। मगर ईरान का नेतृत्व उन्हें ऐसा रास्ता मुहैया कराने को तैयार नहीं है। इससे व्यग्र हुए ट्रंप ने भाषा की शालीनता भी छोड़ दी है।

फ्रांस की सरकारी यूनिवर्सिटीज, जहां अंग्रेजी में पढ़ सकते हैं स्टूडेंट्स

फ्रांस में कोई भी इंग्लिश यूनिवर्सिटी नहीं है, लेकिन वहां कई बेहतरीन फ्रेंच यूनिवर्सिटी हैं। इन यूनिवर्सिटीज में इंग्लिश में पढ़ाया जाता है। यही वजह है कि फ्रांस आजकल इंटरनेशनल स्टूडेंट्स के लिए एक बड़ा सेंटर बन गया है। वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में फ्रांस के चार इंस्टीट्यूट टॉप 100 में शामिल हैं। यहां पढ़ने के लिए स्कॉलरशिप भी मिलती है। इससे फ्रांस में पढ़ाई करना सस्ता हो जाता है। आइए फ्रांस की टॉप 5 यूनिवर्सिटी के बारे में जानते हैं, जहां इंग्लिश में पढ़ाई होती है।

यूनिवर्सिटी PSL

यूनिवर्सिटी PSL पेरिस में है। वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 के अनुसार, ये फ्रांस की नंबर वन यूनिवर्सिटी है। यहां रिसर्च पर ध्यान दिया जाता है। यहां हर स्टूडेंट को गाइड करने के लिए टीचर मौजूद रहते हैं। क्लास में स्टूडेंट्स की संख्या भी कम होती है। इससे हर स्टूडेंट पर ध्यान दिया जा सकता है। सबसे अच्छी बात ये है कि क्लरुमें हर पांच में से एक स्टूडेंट विदेश से आता है, इसलिए PSL बेस्ट इंग्लिश यूनिवर्सिटी इन फ्रांस में से एक है।

इकोले पॉलीटेक्निक

इकोले पॉलीटेक्निक फ्रांस के रक्षा मंत्रालय के अंडर में आने वाला एक बड़ा इंस्टीट्यूट है। यह इंस्टीट्यूट पॉलीटेक्निक डी पेरिस का हिस्सा है। यह एक पब्लिक हायर एजुकेशन और रिसर्च इंस्टीट्यूट है। यहां नेशनल मिलिट्री से जुड़े स्कूल में पढ़ने का मौका मिलता है। यहां 40% से ज्यादा स्टूडेंट्स इंटरनेशनल हैं। इसलिए पढ़ाई के लिए इकोले पॉलीटेक्निक बहुत अच्छी जगह है।

यूनिवर्सिटी पेरिस सिटे

यूनिवर्सिटी पेरिस सिटे 2018 में पेरिस डिडेरोट, पेरिस डेस्कार्टेस और इंस्टीट्यूट डी फिजिक डु ग्लोब डी पेरिस को मिलाकर बनाई गई थी। ये फ्रांस की सबसे बड़ी मल्टीडिसिप्लिनरी यूनिवर्सिटी है। यहां आर्ट्स, ह्यूमैनिटीज, लैंग्वेज, इकोनॉमिक्स, सोशल साइंस, साइंस, टेक्नोलॉजी, मेडिसिन, डेंटिस्ट्री, फार्मेसी और नर्सिंग जैसे फील्ड में नए और आधुनिक कोर्स कराए जाते हैं। मल्टीडिसिप्लिनरी का मतलब है कि यहां कई तरह के सब्जेक्ट पढ़ाए जाते हैं।

सोर्बोन यूनिवर्सिटी

सोर्बोन यूनिवर्सिटी पेरिस के बीच में स्थित है। ये एक मल्टीडिसिप्लिनरी, रिसर्च-इंटेंसिव और वर्ल्ड-क्लास इंस्टीट्यूट है। दूसरी पब्लिक यूनिवर्सिटी की तरह, यहां भी इंग्लिश में प्रोग्राम कराए जाते हैं। इंटरनेशनल स्टूडेंट्स का यहां स्वागत किया जाता है। बडी सिस्टम नाम का एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है। इस प्लेटफॉर्म पर इंटरनेशनल स्टूडेंट्स को लोकल स्टूडेंट्स के साथ जोड़ा जाता है। लोकल स्टूडेंट्स को बडी कहा जाता है।

भारत में फूलों की खेती एक लंबे अरसे से होती रही है, लेकिन आर्थिक रूप से लाभदायक एक व्यवसाय के रूप में फूलों का उत्पादन पिछले कुछ सालों से ही प्रारंभ हुआ है

आर्थिक रूप से लाभदायक व्यवसाय है फूलों का उत्पादन

भारत में फूलों की खेती एक लंबे अरसे से होती रही है, लेकिन आर्थिक रूप से लाभदायक एक व्यवसाय के रूप में फूलों का उत्पादन पिछले कुछ सालों से ही प्रारंभ हुआ है। समकालिक फूल जैसे गुलाब, कमल ग्लैडियोलस, रजनीगंधा, कार्नेशन आदि के बढ़ते उत्पादन के कारण गुलदस्ते और उपहारों के स्वरूप देने में इनका उपयोग काफी बढ़ा है। फूल को मनुष्य के द्वारा सजावट और औषधि के लिए उपयोग में लाया जाता है। इसके अलावा घरों और कार्यालयों को सजाने में भी इनका उपयोग बहुतायत से होता है। मध्यम वर्ग के जीवनस्तर में सुधार और आर्थिक संपन्नता के कारण पुष्प बाजार के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया और फूलों की खेती को एक विशाल बाजार का स्वरूप प्रदान कर दिया है। भारत ने पुष्प उत्पादन में उल्लेखनीय प्रगति की है।

फूलों की खेती की संभावनाएं

भारतीय फूल उद्योग में गुलाब, रजनीगंधा, ग्लेड्स, एंथुरियम, कार्नेशन, गेंदा आदि फूल शामिल है। फूलों की खेती अत्याधुनिक पाली और ग्रीनहाउस दोनों में की जाती है। व्यावहारिक विविधीकरण की दृष्टि से पुष्पों की खेती का महत्व दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। यद्यपि पुष्पों को उगाने की कला भारत के लिए नई नहीं है तथापि, बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक स्तर पर इनकी खेती तथा पॉली हाउसों में इनकी संरक्षित खेती भारत में अपेक्षाकृत नयी है। विपुल आनुवंशिक विविधता, विभिन्न प्रकार की कृषि जलवायु संबंधी परिस्थितियों बहुमुखी प्रतिभा सम्पन्न मानव संसाधन के कारण भारत में इस क्षेत्र में विविधीकरण के नए मार्ग प्रशस्त हैं जिनका अभी तक पर्याप्त रूप से दोहन नहीं हुआ है। विश्व व्यापार संगठन के युग में विश्व बाजार के खुल जाने के कारण पुष्पों तथा पुष्पोत्पादों का विश्व भर में स्वतंत्र रूप से आवागमन संभव है। इस संदर्भ में प्रत्येक देश को प्रत्येक देश की सीमा में व्यापार करने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हैं।

विश्व स्तर पर 140 से अधिक देश पुष्पों की फसलों की खेती में लगे हुए हैं। विभिन्न देशों में संयुक्त राज्य अमेरिका पुष्पों का सबसे बड़ा उपभोक्ता है। जहां प्रति वर्ष 10 बिलयन डॉलर से अधिक के पुष्पों की खपत होती है। इसके बाद उपभोग के मामले में जापान का स्थान है जहां प्रति वर्ष 7 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के पुष्पों की खपत होती है। भारत का भविष्य में बेहतर स्कोप है क्योंकि उष्णकटिबंधीय पुष्पों की ओर लोगों का रुझान बढ़ रहा है और भारत जैसे देश द्वारा इसका लाभ उठाया जा सकता है क्योंकि हमारे यहां देशी वनस्पति जगत में उच्च स्तर की विविधता उपलब्ध है। पुष्प हमारे देश के समाज में गहराई से जुड़े हुए हैं और इनके बिना कोई भी समारोह पूर्ण नहीं होता है। हमारा घरेलू उद्योग प्रतिवर्ष 7-10 प्रतिशत वार्षिक की दर से बढ़ रहा है।

फूलों की किस्में

पुष्पकृषि उत्पादों में मुख्यतया खुले पुष्प, पॉट प्लांट, कट फ़ोइलेज, सीड्स बल्बस, कंद, रुटेड़ कटिंग्स और सूखे फूल व पत्तियां सम्मिलित है। प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय पुष्पकृषि में खुले गुलाब के फूलों का व्यापार, लाली, गुलदाउदी, गारगेरा, ग्लेडियोलस, जाइसोफिला, लायस्ट्रिस, नेरिन, आर्किड, अर्किलिया, अन्थुरियम, ट्यूलिप और लिलि है। गारब्रेरास, गुलनार आदि फूलों की खेती ग्रीन हाउस (हरित गृह) में की जाती है। खुले खेतो में उगाई जाने वाली फसल गुलदाउदी, गुलाब, गेल्लारड़िया, लिलि, मेरीगोल्ड, तारा, कंदाकार प्रमुख है। फूलों में रैनन क्लाउज, स्वीट, विलियम, डेहलिया, लुपिन, वेरबना, कासमांस आदि के फूल लगा सकते हैं। इसके अलावा गुलाब की प्रजातियों में चाइना मैन, मेट्रोकोनिया फर्स्ट प्राइज, आइसबर्ग और ओक्लाहोमा जैसी नई विविधताएं हैं, जो शर्तिया कमाई देती हैं। इसके साथ-साथ मोगरा, रात की रानी, मोतिया, जूही आदि झाडियों के अलावा साइप्रस चाइना जैसे छोटे-छोटे पेड़ लगा कर अच्छी कमाई की जा सकती है। महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडू, राजस्थान, पश्चिम बंगाल आदि प्रमुख पुष्पकृषि केंद्र के रूप में उभरे है।

कैरियर की संभावनाएं

नर्सरी खोल कर स्वरोजगार करें तो अच्छी कमाई हो सकती है। इसके अलावा, फ्लोरल डिजाइनर, लैंडस्केप डिजाइनर, फ्लोरीकल्चर थेरैपिस्ट, ग्राउंडकीपर्स प्लांटेशन ऐक्सपर्ट के अलावा पीएचडी कर के देश की किसी भी एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में बतौर लेक्चरर नियुक्त हो सकते हैं। फ्लोरीकल्चर हॉर्टिकल्चर की एक शाखा है, जिसमें फूलों की पैदावार, मार्केटिंग, कॉस्मेटिक और परफ्यूम इंडस्ट्री के अलावा फार्मास्यूटिकल आदि शामिल हैं।

योग्यता

जो युवा इस क्षेत्र में अपना भाग्य आजमाने चाहते हैं, उनके लिए अनुभव बेहद जरूरी है। सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री जैसे कोर्स के लिए 10+2 में बायोलॉजी, फिजिक्स, कैमिस्ट्री के साथ पास होना जरूरी है, लेकिन मास्टर्स डिग्री के लिए एग्रीकल्चर में बैचलर डिग्री जरूरी है। मास्टर्स डिग्री के लिए इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च द्वारा ऑल इंडिया एंट्रेंस टैस्ट परीक्षा ली जाती है। गौरतलब है कि किसी भी यूनिवर्सिटी में फ्लोरीकल्चर (ऑनर्स) की पढ़ाई नहीं करवाई जाती, बल्कि बीएससी (एग्रीकल्चर) में एक विषय के तौर पर फ्लोरीकल्चर पढ़ाया जाता है। इस काम के लिए सवा बीघा जमीन काफी है, लेकिन जमीन पांच बीघा हो तो वारे-न्यारे हैं। इसे एक नर्सरी के तौर पर खोला जाए।

आमदनी

कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि जागरूक किसान यदि एक हेक्टेयर गेंदा के फूल लगाते हैं तो वे वार्षिक आमदनी 1 से 2 लाख रुपए तक बढ़ा सकते हैं। इतने ही क्षेत्र में गुलाब की खेती करते हैं तो दोगुनी तथा गुलदाउदी की फसल से तकरीबन 7 लाख रुपए तक कमा सकते हैं।

कहां बेचे

दिल्ली में फूलों की सबसे बड़ी मंडी है। इस मंडी में देश-विदेश के फूल व्यापारी खरीद-फरोख्त करते हैं। लगभग सौ कंपनियां फूल उत्पादन व उनके व्यापार में 2500 करोड़ रुपए का पूंजी निवेश कर चुकी हैं। इन कंपनियों के एजेंट हर जगह उपलब्ध हैं। आप अपने खेतों में उत्पन्न फूलों को बेचने के लिए इनसे संपर्क कर सकते हैं। फूल सजावट के काम आते हैं। इससे माला, गजरा, सुगंधित तेल, गुलाब जल, गुलदस्ता, परफ्यूम आदि बनाए जाते हैं। उपरोक्त कार्य के अलावा पुष्प उत्पादक किसानों से आप थोक भाव में फूल खरीद कर मंडी में पहुंचा सकते हैं। विदेशों को निर्यात कर सकते हैं। मंडियों से खरीद कर कस्बों में वितरण कर सकते हैं। लाभ के लिए फूल व्यवसाय उत्तम है।

प्रमुख जुड़े संस्थान

इंडियन एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टीटयूट, नई दिल्लीआनंद एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी आनंद, गुजरातजीबी पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, पंत नगर, उत्तराखंडपंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, लुधियाना, पंजाबइलाहाबाद एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, इलाहाबादबनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, इंस्टीटयूट ऑफ एग्रीकल्चर साइंस फैकल्टी, वाराणसी, उत्तर प्रदेशहिसार एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, हिसार, हरियाणा

कैसे बनें कार्पोरेट लॉयर

कानून के क्षेत्र में लोगों को अब खूब नौकरियां मिल रही हैं। देश में अदालतें बेशक कम हों लेकिन मुकद्दमों की तादाद लगातार बढ़ती जा रही है इसीलिए दिन-ब-दिन वकीलों की मांग भी बढ़ रही है

कानून के क्षेत्र में लोगों को अब खूब नौकरियां मिल रही हैं। देश में अदालतें बेशक कम हों लेकिन मुकद्दमों की तादाद लगातार बढ़ती जा रही है इसीलिए दिन-ब-दिन वकीलों की मांग भी बढ़ रही है। देश का कानून इतना व्यापक है कि स्पैशलाइजेशन की जरूरत बढ़ जाती है, बिल्कुल मेडीकल फील्ड की तरह। आप अपनी रुचि के अनुसार किसी विशेष क्षेत्र के कानून के विशेषज्ञ के रूप में पहचान बना सकते हैं। यह क्षेत्र एडमिनिस्ट्रेटिव लॉ, कॉन्सटिट्यूशन लॉ, फैमिली लॉ, इंटरनंशनल लॉ, साइबर लॉ, लेबर लॉ, पेटैंट लॉ, एन्वायरनमेंट लॉ, कार्पोरेट लॉ आदि में से कुछ भी हो सकता है।

यह लीगल फील्ड का उभरता स्वरूप है। बड़े बिजनेस हाऊसेज और सरकारी विभागों को भी कई जटिल कानूनी मामलों का सामना करना पड़ता है। इन्हें हल करने के लिए कार्पोरेट लॉयर्स की मांग बड़ी तेजी से बढ़ रही है। इनका काम कम्पनी के संचालन में कानूनी नियमों का पालन सुनिश्चित करना कम्पनी से जुड़े मुकद्दमों की पैरवी करना, कम्पनी के लिए कॉन्ट्रैक्ट्स तैयार करना आदि होता है। कार्पोरेट कम्पनियों में मिलने वाले आकर्षक वेतन के चलते युवा इस तरफ आकर्षित हो रहे हैं।

समय से आगे चलने और दुनियां की भीड़ से कुछ अलग कर गुजरने की हिम्मत किसी-किसी में होती है। वैश्वीकरण के फलस्वरूप बाजार की वृहत्ता में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कम्पनियां एक साथ काम कर रही हैं जिनको प्राधिकृत करने के लिए सरकार ने नियमों की रचना की है। इसमें से कुछ नियम सरकार द्वारा तथा कुछ कम्पनियों द्वारा खुद ही तय किए जाते हैं। सरकारी नियमों के अलावा कम्पनियां कर्मियों, ग्राहकों या सहयोगियों के लिए अपने भी नियम बनती हैं। ऐसे ही नियमों की गुत्थियों को समझने और उनकी प्राथमिकताओं को पूरा करने का भार कार्पोरेट लॉ के जानकारों का होता है। कार्पोरेट लॉ फर्म अपने ग्राहक की टेक्स प्लानिंग से लेकर, कर्मियों, सहयोगियों, शेयरधारकों यहां तक कि किरायों और समझौतों की संपूर्ण रूपरेखा बनाते हैं। कार्पोरेट लॉ फर्म किसी भी कंपनी की रीढ़ होती है, जिसके द्वारा किए गए काम से ही कंपनी की वार्षिक आमदनी और उपलब्धियों का आकलन किया जाता है। नियमों में पारदर्शिता और स्थिरता कंपनी का भविष्य तय करती है।

कार्पोरेट लॉ का कार्यक्षेत्र

- कम्पनी के टैक्सों का आकलन और निष्पादन
- नए संस्थानों के गठन की संरचना
- लाइसेंस समझौता बनाना
- बौद्धिक संपत्तियों को संरक्षित करना
- शेयरधारकों के लिए नियम बनाना
- विक्रय तथा वितरक समझौते की रूप-रेखा तैयार करना
- ट्रेड मार्क और कॉपीराइट नियमों का निष्पादन करना
- कर्मियों के लिए कम्पनी अधिनियमों के अनुरूप नियम बनाना
- नए व्यवसायों के लिए लाभ हानि की सलाह देना आदि।

कैसे मिलेगा प्रवेश

दसवीं के बाद लॉ की पढ़ाई शुरू की जा सकती है। कई यूनिवर्सिटीज और प्राइवेट कॉलेजों में पांच वर्षीय बी.ए. एल.एल.बी. कोर्स कराया जाता है। अगर आप ग्रेजुएट हैं, तो 3 वर्षीय एल.एल.बी. कोर्स के बाद इस क्षेत्र में करियर शुरू कर सकते हैं। एंट्रेंस एग्जाम में बैठने के लिए दसवीं में कम से कम 55 प्रतिशत अंक होने चाहिए। देश के विभिन्न नैशनल लॉ स्कूल्स में एडमिशन कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (सी.एल.ए.टी.) के माध्यम से होता है। अन्य संस्थान लॉ कोर्सेज के लिए अलग-अलग एंट्रेंस एग्जाम्स आयोजित करते हैं। कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट में आमतौर पर इंगलिश, लॉजिकल रीजनिंग, लीगल रीजनिंग, मैथमैटिक्स और जनरल नॉलेज से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं। अगर आप विदेश जाकर लॉ की पढ़ाई करना चाहते हैं तो वहां एडमिशन की प्रक्रिया अलग हो सकती है।

अगली फिल्म के लिए अहान शेट्टी ने 'सनकी' टाइटल किया सिक्योर

सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी ने अपनी अपकमिंग फिल्म का टाइटल फाइनल कर लिया है। अब जल्द वो निर्देशक टीनू देसाई के साथ अपने इस नए प्रोजेक्ट पर काम करेंगे। अहान ने बड़े ही आराम से इसे साजिद नाडियाडवाला से मांगकर अपने नाम रजिस्टर करवा किया।

अहान ने सीधे जा कर रखा प्रस्ताव

सुनने में आया है कि अहान ने यह टाइटल निर्माता साजिद नाडियाडवाला से सीधे जाकर मांग लिया। इंडस्ट्री में आमतौर पर ऐसे फैसले अंतरिक चर्चाओं और काफी बातचीत के बाद लिए जाते हैं। मगर अहान ने ऐसा नहीं किया। वो सीधे जाकर निर्माता साजिद नाडियाडवाला से मिले और टाइटल को लेकर बात की। साजिद पहले इसे किसी और फिल्म में उपयोग करने वाले थे। खबरों के अनुसार वो फिल्म भी अहान शेट्टी की ही थी पर अहान ने साजिद को बताया कि वो इस टाइटल को अपने दूसरे प्रोजेक्ट में उपयोग करना चाहते हैं।

शेट्टी परिवार से हैं नाडियाडवाला का पुराना दोस्ताना

अहान के नाडियाडवाला से टाइटल लेने को फिल्मी दुनिया में व्यक्तिगत संबंधों की कद्र के तौर पर भी देखा जा रहा है। साजिद की फिल्म 'तड़प' से ही 2021 में अहान ने अपना डेब्यू किया था। इन सबके अलावा साजिद और अहान के पिता सुनील शेट्टी के बीच भी कई दशकों की लंबी दोस्ती रही है।

अहान शेट्टी का वर्कफ्रंट

अहान शेट्टी को आखिरी बार इस साल की शुरुआत में रिलीज हुई फिल्म 'बॉर्डर 2' में देखा गया था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुल 328.33 करोड़ रुपए की कमाई की थी। अहान के अलावा इस फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए। सिनेमाघरों के बाद फिल्म अब ओटीटी पर भी आ चुकी है। फिल्म नेटफिलक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

सोनम बाजवा ने पैप्स कल्चर पर रखी राय

जैकलीन की सलाह को किया याद

अभिनेत्री सोनम बाजवा इन दिनों अपनी आगामी कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'पिट सियापा' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में सोनम प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। हाल ही में सोनम ने पैपराजी के साथ अपने रिश्ते को लेकर बात की।

पैपराजी के सामने मैं हंसती रहती हूं

एएनआई के साथ बातचीत में सोनम बाजवा ने कहा कि जब पैपराजी उनसे फोटो के लिए कहते हैं, तो समझ ही नहीं आता कि कैसे रिएक्ट करें।एक्ट्रेस ने कहा कि मैं जोर से हंसती हूं। मुझे नहीं पता कि पैपराजी के सामने क्या करना है। वे सैलून के बाहर भी इंतजार कर रहे होते हैं। मैं उन्हें मना नहीं कर सकती। लेकिन मुझे बहुत शर्म आती है, मुझे नहीं पता कि अगर मैं अभी-अभी सैलून से निकली हूं तो उनके सामने कैसे पोज दूं। वैसे पैपराजी बहुत कूल हैं। वे आपको इतना हंसाते हैं। मुझे लगता है कि लोग सोचेंगे, यह पैपराजी के सामने क्यों हंसती रहती है? मुझे उनसे बात करने में बहुत मजा आता है। मुझे उनसे कभी-कभार मिलना अच्छा लगता है।

मुंबई में पैपराजी कल्चर अपनी जड़ें जमा चुका है

हालांकि, एक्ट्रेस ने ये भी कहा कि कभी-कभी पैपराजी प्राइवेसी वाली जगहों पर भी पहुंच जाते हैं।उन्होंने कहा कि लेकिन कभी-कभी, आप अभी-अभी सोकर उठे होते हैं। आपने एक कप कॉफी भी नहीं पी होती। आपको जिम के लिए देरी हो रही होती है। जैसे ही आप जिम पहुंचते हैं, आपको पैपराजी दिख जाते हैं। आपका चेहरा सूजा हुआ होता है। हो सकता है कि आप पिछली रात से सोए न हों। आपने पर्याप्त पानी भी नहीं पिया हो। लेकिन पैपराजी आपका इंतजार कर रहे होते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि मुंबई में पैपराजी कल्चर कितनी गहराई से जड़ जमा चुकी है। हर कोई सतर्क हो जाता है। सोचिए अगर मैं आपको जागने के 30 मिनट के अंदर ही पकड़ लूं। आपको अच्छा नहीं लगेगा। तो ऐसा होता है। लेकिन मुझे लगता है कि यह हमारे काम का हिस्सा है। अब यह कल्चर स्थापित हो चुका है। मुंबई में पैपराजी का कल्चर बन चुका है। इसलिए, मैं हमेशा खुद से कहती हूं हमेशा तैयार रहो कि पैपराजी वहां होंगे। चाहे आप कहीं भी जा रहे हों।

जैकलीन ने दी थी सलाह

इस दौरान सोनम ने करीबी दोस्त जैकलीन फर्नांडीज की सलाह को याद करते हुए कहा कि एक बार जैकलीन ने मुझसे कहा था 'वो एचडी जूमिंग कैमरे खतरनाक होते हैं। हमेशा ध्यान रखना कि वे उस कैमरे का इस्तेमाल कर सकते हैं।' लेकिन फिर भी इंसान भूल जाते हैं। मैं भी भूल जाती हूं। कभी-कभी मैं कहती हूं, पैपराजी वन्यजीव फोटोग्राफी के कैमरे ले जा रहे हैं। तो, तैयार रहें। या मास्क पहनें। यह बहुत अच्छा तरीका है। जैकलीन खुद भी इसका पालन करती हैं। वह ज्यादातर मास्क में ही रहती हैं। लेकिन पैपराजी बहुत अच्छे हैं। कई बार जब मैंने उनसे अनुरोध किया है कि कृपया आज मेरी तस्वीरें न लें। मेरी तबीयत ठीक नहीं है। वे हमेशा मेरी बात सुनते हैं। वे हमेशा इसका सम्मान करते हैं। और मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं।

'पिट सियापा' में नजर आएंगी

वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनम बाजवा अगली बार रूपिंदर चहल द्वारा निर्देशित आगामी पंजाबी कॉमेडी-ड्रामा 'पिट सियापा' में नजर आएंगी। 1 मई को रिलीज होने वाली इस फिल्म में सोनम बाजवा के साथ परमवीर सिंह चीमा भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। कहानी निम्मी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका किरदार सोनम निभा रही हैं।

विद्या बालन के साथ चौथी फिल्म करेंगे अक्षय कुमार अनीस बज्मी करेंगे निर्देशन

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने अनीस बज्मी की नई फिल्म के लिए विद्या बालन के साथ अपनी चौथी फिल्म की घोषणा कर दी है। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है उनकी जोड़ी का गुड लक चार्म फिर से काम करेगा। जानिए कहां शूट होगा फिल्म का पहला शैड्यूल?

अक्षय और विद्या की चौथी फिल्म

अभिनेता अक्षय कुमार ने विद्या बालन के साथ अपनी चौथी फिल्म की घोषणा करते हुए इंस्टाग्राम पर एक खास वीडियो शेयर किया है। इस फिल्म का निर्देशन अनीज बज्मी करेंगे। इस वीडियो में अक्षय और विद्या साथ में फ्लाइट में चढ़ते दिखाई दिए। इससे साथ ही अक्षय ने बताया कि वह अपनी इस फिल्म की शूटिंग के शुरुआती शैड्यूल के लिए केरल जा रहे हैं।

फिल्म को लेकर अक्षय का खास नोट

अपनी नई फिल्म की घोषणा के साथ अक्षय कुमार ने लिखा, 'अगला पड़ाव- भगवान का अपना देश, जादुई केरल। अनीस बज्मी की अगली फिल्म में विद्या बालन के साथ मेरी यह चौथी फिल्म है।' अक्षय ने आगे लिखा, 'मुझे उम्मीद है कि हमारी जोड़ी का गुड लक चार्म बना रहेगा।'

एक साथ कई फिल्में कर चुके हैं अक्षय और विद्या

अक्षय कुमार और विद्या बालन पहले तीन फिल्मों में एक साथ काम कर चुके हैं- 'भूल भुलैया', 'हे बेबी' और 'मिशन मंगल'। अब अक्षय और विद्या निर्देशक अपनी चौथी फिल्म करने वाले हैं, जिसका निर्देशन अनीज बज्मी करेंगे। बहरहाल, नई फिल्म के बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं आई है। फिलहाल, अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में अक्षय के साथ वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव हैं। फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है।

सुपरहिट फिल्म के सीक्वल में नजर आएंगे शाहरुख खान!

स्क्रिप्टिंग का काम हुआ पूरा; जल्द शुरू हो सकती है शूटिंग

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान जल्द ही अपनी नई फिल्म 'किंग' के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाने वाले हैं। फिलहाल फिल्म की शूटिंग जारी है, लेकिन इससे पहले उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि एक्टर अपनी सुपरहिट मूवी के सीक्वल में नजर आएंगे।

इस फिल्म में काम कर सकते हैं शाहरुख

शाहरुख खान अपनी अपकमिंग फिल्म 'किंग' के बाद एक और बड़े प्रोजेक्ट की तैयारी में लग सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शाहरुख खान फिलहाल अपनी फिल्म 'किंग' पर फोकस कर रहे हैं, जो एक बड़े बजट की एक्शन फिल्म बताई जा रही है और 2026 में रिलीज हो सकती है। लेकिन इसी बीच खबर है कि 'किंग' के बाद वह अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'जवान' के सीक्वल यानी 'जवान 2' पर काम शुरू कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, इस फिल्म की स्क्रिप्ट लगभग तैयार है और मेकर्स इसे आगे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं।

आधिकारिक घोषणा का इंतजार

हालांकि, अभी तक इसको लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इससे पहले भी 'जवान 2' को लेकर कई तरह की खबरें सामने आ चुकी हैं, लेकिन फिल्म के डायरेक्टर की तरफ से भी कोई कन्फर्मेशन नहीं दिया गया था। कहीं न कहीं इस खबर से फैंस की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है।

'किंग' फिल्म के बारे में

शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' 24 दिसंबर 2026 को रिलीज होगी। ये एक एक्शन पैक फिल्म होने वाली है। इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अभिषेक बच्चन, सुहाना खान, अनिल कपूर, अभय वर्मा और अरशद वारसी जैसे बड़े सितारे नजर आ सकते हैं।

2017 से ही प्रोड्यूसर बनना था, सोच रखा था अपनी फिल्म में काम नहीं करूंगी

एक्टिंग के बाद फिल्म निर्माण में कदम रखने वाली बॉलीवुड अदाकाराओं में अब पत्रलेखा का नाम भी जुड़ चुका है। हाल ही बतौर प्रोड्यूसर पत्रलेखा की पहली फिल्म 'टोस्टर' आई है। इसमें उनके पति राजकुमार राव और सान्या मल्होत्रा लीड रोल में हैं। फिल्म को अच्छा रेस्पॉन्स भी मिल रहा है।

पत्रलेखा कहती हैं कि उन्होंने पहले ही सोच रखा था कि वह अपनी फिल्म में एक्टिंग नहीं करेंगी। उनकी यह फिल्म एक कंजूस आदमी की कहानी है। बात निकली तो एक मजेदर सवाल ये भी पूछा गया कि राजकुमार राव और उनमें, असल जिंदगी में ज्यादा कंजूस कौन है? 36 साल की नई-नवेली मां ने इसका भी जवाब दिया।

मैं 2017 से ही प्रोड्यूसर बनना चाहती थी

पत्रलेखा 'टोस्टर' के बनने और प्रोड्यूसर बनने के बारे में बताती हैं, 'हम दोनों (राज और वह) साल 2017 से ही प्रोड्यूसर बनना चाहते थे, मगर बीच में कोविड महामारी आ गई तो वह नहीं हो पाया, लेकिन मैं शुरू से क्लियर थी कि जब मैं फिल्म प्रोड्यूस करूंगी तो उसमें खुद एक्टिंग नहीं करूंगी, क्योंकि कैमरे के पीछे भी मैं जो करूंगी अच्छे से करूंगी।' मेरे लिए आसानी यह रही कि डायरेक्टर विवेक दास चौधरी से लेकर सान्या मल्होत्रा, फराह खान, हम सब दोस्त हैं। राज तो घर का ही एक्टर है तो ज्यादा मुश्किल नहीं हुई। अब जब आगे मैं कैमरे के आगे कोई रोल करूंगी, तब भी यह अनुभव बहुत काम आएगा।

प्रोडक्शन में 365 दिन 24 घंटे काम होता है

बकौल पत्रलेखा, 'मेरी जिंदगी का मकसद ही यह है कि मैं शायद 10 चीजें न करूं, एक ही चीज करूं, मगर उसमें मैं अपना 100 पर्सेंट दूंगी तो मैंने सोच रखा था कि मैं कैमरे के आगे नहीं रहूंगी। सच कहूं तो मुझे इस जर्नी में बहुत मजा आया। बतौर एक्टर हमें पता नहीं होता कि फिल्म बनाने में कितना काम होता है। प्रोडक्शन में 365 दिन 24 घंटे काम होता है। मेरे लिए आसानी यह रही कि डायरेक्टर विवेक दास चौधरी से लेकर सान्या मल्होत्रा, फराह खान, हम सब दोस्त हैं। राज तो घर का ही एक्टर है तो ज्यादा मुश्किल नहीं हुई। मुझे लगता है कि अब जब आगे मैं कैमरे के आगे कोई रोल करूंगी, तब भी यह अनुभव बहुत काम आएगा।'

राजकुमार नहीं, मैं हूं कंजूस

'टोस्टर' में राजकुमार राव एक महा कंजूस पति की भूमिका में हैं। क्या असल जिंदगी में भी वह ऐसे हैं? इस सवाल के जवाब में पत्रलेखा पूरी ईमानदारी और बेबाकी से कहती हैं, 'नहीं, राज बिलकुल कंजूस नहीं है। हम दोनों में से मैं कंजूस हूं।' वह आगे हंसते हुए बताती हैं, 'मैंने तो ऐसा भी किया है कि फिल्म के डायरेक्टर विवेक, जो मेरे बचपन के दोस्त हैं, मैं उसको बोलती थी कि मुझे खाना खिलाने लेकर चल और जब बिल देने की बारी आती थी तो मैं उसको बिल पकड़ाकर चली जाती थी।'

बेटी के आने के कितने बदले आपसी रिश्ते? पत्रलेखा और राजकुमार राव पहले दोस्त थे। फिर लाइफ पार्टनर बने। दोनों साल 2010 से ही साथ हैं। जबकि 15 नवंबर 2021 को दोनों ने पति-पत्नी के रूप में जीवन की नई पारी शुरू की। अब उनकी जिंदगी में बेटी पार्वती पॉल राव भी है। यह भी दिलचस्प संयोग है कि बेटी का जन्म उनकी शादी की चौथी सालगिरह पर 15 नवंबर 2025 को हुआ। क्या माता-पिता बनने के बाद दोनों के आपसी रिश्ते बदले हैं। इस पर पत्रलेखा कहती हैं, 'नहीं। पैरेंट्स बनने के बाद भी राज और मैं बिल्कुल नहीं बदले हैं। हम पहले दिन से दोस्त हैं और आज भी दोस्त है। हमारे रिलेशनशिप के चलने की वजह भी यही है कि हम बहुत अचछे दोस्त हैं।'

किसानों ने कम पानी वाली फसलों को अपनाकर दिया नया और अच्छा उदाहरण

कम पानी वाली फसलों से बढ़ा ग्राम का भू-जल स्तर

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छुरिया विकासखंड के ग्राम घुपसाल में किसानों द्वारा जल संरक्षण की दिशा में सराहनीय पहल करते हुए रबी सीजन में धान जैसी अधिक पानी की आवश्यकता वाली फसल के स्थान पर कम पानी में तैयार होने वाली फसलों का उत्पादन किया जा रहा है। यह परिवर्तन क्षेत्र में जल संकट को ध्यान में रखते हुए किसानों की जागरूकता और सकारात्मक सोच के साथ सामूहिक निर्णय लेकर किया गया। जिससे ग्राम का भू-जल स्तर बढ़ा है।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आज छुरिया विकासखंड के ग्राम घुपसाल पहुंचकर किसानों द्वारा किए जा रहे इस नवाचार का अवलोकन किया। उन्होंने खेतों में जाकर फसलों की स्थिति देखी तथा किसानों से चर्चा कर उनकी खेती की पद्धतियों एवं अनुभवों की जानकारी ली। कलेक्टर ने किसानों की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों को अपनाना वर्तमान समय की आवश्यकता है। इससे न केवल जल संरक्षण संभव होगा, बल्कि खेती की लागत में कमी आने के साथ किसानों की आय में भी वृद्धि होगी। उन्होंने अन्य किसानों को भी इस मॉडल को अपनाने के लिए प्रेरित करने कहा।

ग्रामीणों ने बताया कि इस बदलाव से पानी की बचत हो रही है और फसल उत्पादन भी बेहतर हो रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि पूर्व में गर्मी के मौसम में भू-जल स्तर नीचे चले जाने से सूखे जैसी स्थिति बन जाती थी। मार्च माह के बाद गांव के तालाब, हैंडपंप एवं नालों में पानी नहीं रहता था, जिससे पेयजल एवं निस्तारी की गंभीर समस्या उत्पन्न होती थी। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम के सामूहिक प्रयास एवं महत्वपूर्ण निर्णय से इस वर्ष लगभग 350 एकड़ से अधिक रकबे में रबी मौसम में मक्का एवं अन्य दलहन-तिलहन जैसी कम पानी वाली फसलों का उत्पादन किया गया है। इसके परिणामस्वरूप ग्राम में भू-जल स्तर में वृद्धि हुई है तथा पेयजल एवं निस्तारी कार्यों के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि जहां पूर्व में फागुन माह के बाद तालाब सूख जाते थे, वहीं इस वर्ष अभी भी निस्तारी के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध है। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह, सीईओ छुरिया होरी लाल साहू, सरपंच नरेश शुक्ला, जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

पुलिस अधीक्षक सिंह ने खेल समिति को क्रिकेट किट का किया वितरण

पुलिस अधीक्षक कबीरधाम धर्मेंद्र सिंह द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में कूकदूर थाना अंतर्गत ग्राम देवान पटपर की खेल समिति को क्रिकेट किट का वितरण किया गया। यह पहल सामुदायिक पुलिसिंग के अंतर्गत युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ने एवं सकारात्मक दिशा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। उल्लेखनीय है कि ग्राम देवान पटपर में शीघ्र ही क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की टीमों की सहभागिता रही थी। इस प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं में खेल भावना, अनुशासन एवं टीमवर्क की भावना को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि समाज के साथ समन्वय स्थापित कर युवाओं को सही मार्गदर्शन देना भी है। खेल गतिविधियाँ युवाओं को नशे एवं अन्य सामाजिक बुराइयों से दूर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने युवाओं से खेलों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने और अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने का आह्वान किया।

खास खबर

471 ग्राम पंचायतों के ग्राम सभा में जनगणना के महत्व पर दी जानकारी

नई दृष्टिबिंदु / कबीरधाम

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर कबीरधाम जिले के सभी 471 ग्राम पंचायतो में ग्राम सभा का आयोजन कर लोगों ने विभिन्न विषय पर व्यापक चर्चा की। शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका एवं रोजगार जैसे प्रमुख विषयों पर चर्चा करते हुए ग्रामीणों ने भविष्य के लिए कार्ययोजना बनाई ।मोर गांव मोर पानी महाअभियान अंतर्गत जल संरक्षण और आजीविका के लिए नवा तारिया आय के जरिया में कार्य करने का संकल्प लिया गया। आजीविका डबरी, अमृत सरोवर, घरों में सोख्ता गड्ढा निर्माण और नवा तरिया के द्वारा सभी क्षेत्रों में पानी रोकने का संकल्प लिया गया। विशेष ग्राम सभा में जनगणना के महत्व पर जानकारी देते हुए ऑनलाइन विवरण भरने की प्रक्रिया भी बताई गई।

इस संबंध में जानकारी देते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम अभिषेक अग्रवाल ने बताया की ग्राम सभा में जल संरक्षण और आजीविका पर ग्रामीणों का ज्ञानवर्धन किया गया है। लखपति दीदियों द्वारा अपने अनुभव अन्य ग्रामीण महिलाओं को साझा कर योजना से जुड़ने प्रेरित किया गया ।ग्राम पंचायत में निर्मित परिसंपत्तियों की एंट्री संपदा एप्प में करने पर बात की गई। ग्राम सभा मे प्रधानमंत्री आवास अंतर्गत बनाए जा रहे आवासों को जल्द पूरा करने हितग्राहियों को प्रोत्साहित किया गया। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत रोजगार उपलब्ध कराते हुए आजीविका और जल संरक्षण का उद्देश्य पूरा करने नवा तारिया की विस्तृत जानकारी दी गई। नय तालाबों से मछली पालन और सिंचाई सुविधाओं का लाभ मिलने पर जानकारी दी गई है। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक वर्ष 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया जाता है ।इसी उपलक्ष्य में सभी ग्राम पंचायतो में ग्राम सभा का आयोजन किया गया था जिसमें ग्रामीणों की अच्छी भागीदारी रही।

स्व-गणना के लिए जिला प्रशासन की अपील : नागरिक बढ़-चढ़कर करें सहभागिता

बेमेतरा। जिला प्रशासन बेमेतरा द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे स्व-गणना (सेल्फ ऐनुमैरेशन) प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए जनगणना कार्य को सफल बनाएं। प्रशासन द्वारा इस संबंध में व्यापक जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है, ताकि प्रत्येक नागरिक स्वयं अपनी जानकारी सही एवं समय पर दर्ज कर सके। जिला प्रशासन ने बताया कि स्व-गणना की सुविधा के माध्यम से नागरिक घर बैठे ही ऑनलाइन माध्यम से अपनी एवं अपने परिवार की जानकारी दर्ज कर सकते हैं। इससे जनगणना कार्य में पारदर्शिता, समयबद्धता एवं सटीकता सुनिश्चित होगी। यह प्रक्रिया नागरिकों के लिए सरल, सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनाई गई है।

विधायक के प्रयासों से नगरीय निकाय व ग्रामीण क्षेत्रों का हो रहा समुचित विकास

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

पंडरिया विधायक भावना बोहरा के प्रयासों व सक्रियता से विधानसभा के नगरीय निकाय क्षेत्रों में जनसुविधाओं के विस्तार एवं विभिन्न अधोसंरचना निर्माण सहित स्वच्छता व जल प्रबंधन की परियोजनाओं के लिए बड़ी सौगात मिली है। नगर पालिका परिषद पंडरिया एवं नगर पंचायत इन्दौरी व पांडातराई में राज्य शहरी अभिकरण, अधोसंरचना मद तथा राज्य प्रवर्तित योजना एवं खनिज साधन विभाग के माध्यम से गौण खनिजों से प्राप्त राशि से पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत 8 करोड़ 3 लाख 67 हजार रुपए की स्वीकृति मिली है।

इसके तहत नगर पंचायत पांडातराई में राज्य शहरी अभिकरण, छत्तीसगढ़ द्वारा स्वच्छ भारत मिशन (शहरी-2.0) के अंतर्गत इंटरसेप्शन एवं डायवर्सन ड्रेन सहित (एसटीपी) निर्माण के लिए 3 करोड़ 6 लाख 88 हजार रु तथा नगर पालिका पंडरिया एवं नगर पंचायत इंदौरी और पांडातराई में अधोसंरचना मद तथा राज्य प्रवर्तित योजना के अंतर्गत ?3 करोड़ 36 लाख 79 हजार की स्वीकृति मिली है। वहीं पंडरिया विधानसभा के 8 ग्राम पंचायतों में नवीन पंचायत भवन निर्माण हेतु कुल 1 करोड़ 60 लाख रुपए की स्वीकृति मिली है। इस सौगात के लिए पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी, उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी एवं भाजपा सरकार के प्रति आभार व्यक्त कर नगरवासियों को बधाई दी। विदित हो की उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी के पंडरिया प्रवास के दौरान विधायक भावना बोहरा द्वारा नगरीय निकाय क्षेत्रों में विभिन्न विकास कार्यो की स्वीकृति के लिए आग्रह किया गया था जिसके तहत श्री अरुण साव जी द्वारा नगर पंचायत इन्दौरी व पांडातराई में 1-1 करोड़ के विकास कार्यो की घोषणा की गई थी और आज उन्हें स्वीकृति प्रदान की गई है।

इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि राज्य शहरी अभिकरण, छत्तीसगढ़ द्वारा स्वच्छ भारत मिशन (शहरी-2.0) के अंतर्गत नगर पंचायत पांडातराई में इंटरसेप्शन एवं डायवर्सन ड्रेन सहित एसटीपी निर्माण के लिए ?3 करोड़ 6 लाख 88 हजार की स्वीकृति क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह परियोजना नगर की नालियों के गंदे पानी का प्रबंधन सुनिश्चित करते हुए न केवल स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और जनस्वास्थ्य को भी मजबूती प्रदान करेगी। इसके माध्यम से शहर में गंदगी और जलभराव की समस्या में कमी आएगी, प्राकृतिक जलस्त्रोत एवं अन्य जलस्रोतों को प्रदूषण से राहत मिलेगी और नगर स्वच्छ तथा नगरवासी का बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि आज डबल इंजन भाजपा सरकार में पंडरिया विधानसभा में विकास के नए आयाम लगातार स्थापित हो रहे हैं। नगर पालिका पंडरिया एवं नगर पंचायत इंदौरी और पांडातराई में अधोसंरचना मद तथा राज्य प्रवर्तित योजना के अंतर्गत ?3 करोड़ 36 लाख 79 हजार की स्वीकृति से नगरवासियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, वहीं अधोसंरचना मद के अंतर्गत इंदौरी में दुकानों का निर्माण, मांगलिक भवन और मुक्तिधाम उन्नयन जैसे कार्य स्थानीय रोजगार, सामाजिक आयोजनों और मूलभूत सुविधाओं को नई मजबूती देंगे। यह विकास कार्य डबल इंजन भाजपा सरकार द्वारा नगरीय निकाय क्षेत्रों के समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

उन्होंने आगे कहा कि हर नगर और हर नागरिक की मूलभूत सुविधाओं का विस्तार व क्षेत्र का विकास ही हमारा लक्ष्य है। माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार पंचायतों को सशक्त बनाने की दिशा में भी निरंतर कार्य कर रही है। पंडरिया विधानसभा में खनिज साधन विभाग के माध्यम से गौण खनिजों से प्राप्त राशि से पंचायत एवं ग्रामीण विकास अंतर्गत 8 नवीन पंचायत भवन निर्माण हेतु ?1 करोड़ 60 लाख की स्वीकृति सेवा, सुशासन और जनहित के संकल्पों को पूरा करेगी वहीं हमारे ग्रामीण क्षेत्रों को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह सिर्फ भवन नहीं, बल्कि गांवों के सशक्तिकरण, सुशासन और आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव है। पंचायतों को सशक्त व सुविधायुक्त कर हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में विकास सुनिश्चित करने की दिशा में यह कदम गांव-गांव तक शासन की योजनाओं का सतत क्रियान्वन और जनता को सुविधा प्रदान करेगी। आज पंडरिया विधानसभा में ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर नगरीय निकाय क्षेत्रों में विकास व अधोसंरचना निर्माण तथा जनसुविधाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है वह समृद्ध पंडरिया का आधार है। जनहित से लेकर क्षेत्र के विकास हेतु हमारा प्रयास ऐसे ही निरंतर जारी रहेगा।

पंडरिया विधानसभा अंतर्गत राज्य शहरी अभिकरण, छत्तीसगढ़ द्वारा स्वच्छ भारत मिशन (शहरी-2.0) के अंतर्गत नगर पंचायत पांडातराई में इंटरसेप्शन एवं डायवर्सन ड्रेन सहित एसटीपी निर्माण किया जाएगा। ग्राम पंचायत बगदई, बिरनपुरकला, नवागांवखुर्द, रेंगाबोड़, रंजीतपुर, जंगलपुर, अतरियाखुर्द एवं ग्राम पंचायत कुण्डा में नवीन पंचायत भवन का निर्माण होगा। इसके साथ ही राज्य परिवर्तित योजना के तहत नगर पालिका पंडरिया तथा नगर पंचायत इन्दौरी व पांडातराई में मुक्ति धाम का निर्माण किया जाएगा तथा अधोसंरचना मद के तहत नगर पंचायत इंदौरी में दुकानों का निर्माण, मांगलिक भवन निर्माण और मुक्तिधाम उन्नयन कार्य की स्वीकृति मिली है। यह सभी स्वीकृति प्रशासनिक सुविधाओं के विस्तार के साथ ही सामाजिक और व्यावसायिक गतिविधियों को गति मिलेगी वहीं स्वच्छता अभियान और जल स्त्रोतों के संरक्षण से नगर में सफाई व्यवस्था और प्राकृतिक जल स्त्रोतों का संरक्षण होगा।

100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान शिविर का हुआ सफल आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

स्वास्थ्य विभाग जिला बेमेतरा में क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम तहत टीबी मुक्त बेमेतरा जिला बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत अत्याधुनिक एक्स-रे मशीन से उच्चोखिम लोगों का सभी विकासखण्ड में विभिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित कर टी बी स्क्रीनिंग किया जा रहा है साथ में टी बी मुक्त भारत अभियान की जानकारी, टी बी के लक्षण, उपचार, बचाव की संपूर्ण जानकारी उच्चोखिम लोगों को साझा किया जा रहा है। इसी क्रम में

100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान तहत 25 अप्रैल को राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम जिला बेमेतरा द्वारा कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देश पर सीएमएचओ डॉ अमृत लाल रोहलेडर के मार्गदर्शन में 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने में अत्याधुनिक हैंड हेल्ड पोर्टेबल एक्स-रे मशीन के माध्यम से साजा विकासखण्ड के देवकर एवं अकलवारा में शिविर आयोजित कर उच्च जोखिम समूहों का पहचान किया गया इस उच्चजोखिम समूह से 271 लोगों का अत्याधुनिक हैंड हेल्ड पोर्टेबल एक्स-रे मशीन से निःशुल्क एक्स-रे किया गया, तथा 33 लोगों का जो संदेहास्पद था उनका स्पूटम अत्याधुनिक ट्रू झ नाट मशीन से जांच हेतु सैंपल कलेक्शन कराया गया । इस टी बी मुक्त भारत अभियान शिविर में साजा विकासखण्ड के स्वास्थ्य विभाग से सभी स्टाफ, मितानिन , द्वारा पूर्व से ही लोगों को टीबी मुक्त बेमेतरा जिला के अभियान की संपूर्ण जानकारी घर-घर सर्वे कर दी गई एवं जनजागरूकता अभियान भी चलाया गया ।

उक्त शिविर में बीएमओ साजा ,जिला कार्यक्रम समन्वयक, बी पी एम, एस टी एस,, द्वारा पूरी जिम्मेदारी से शिविर में सहभागिता निभाई गई ,साथ में जिला चिकित्सालय बेमेतरा से रेडियोग्राफर शेष नारायण टंडन द्वारा अत्याधुनिक हैंड हेल्ड पोर्टेबल एक्स-रे मशीन ऑपरेट किया गया, ग्रामीण स्वास्थ संयोजक देवकर एवं अकलवारा उच्च जोखिम ग्राम मितानिन एवं ग्रामीण जन अधिक संख्या में उत्साहित होकर उपस्थित रहें, शिविर में स्वास्थ्य विभाग टीम द्वारा कायी का सफल क्रियान्वयन किया गया ।

खनिजों का अवैध परिवहन करने पर की जा रही कार्रवाई, हाईवा जप्त

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में नायब तहसीलदार लाल बहादुर नगर राजेश नेताम द्वारा पाटेकोहरा चेकपोस्ट बैरियर के समीप चारामा (कांकेर) से रेत परिवहन कर रहे हाईवा क्रमांक सीजी 08 बीडी 5999 की जांच की गई।

जांच के दौरान ग्राम बैरागीभेड़ी तहसील छुरिया निवासी वाहन चालक हेमचंद से खनिज परिवहन हेतु आवश्यक पीट पास एवं अन्य वैध दस्तावेजों की मांग की गई। वाहन चालक द्वारा वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर रेत सहित वाहन को जप्त कर थाना चिचोला को सुपुर्द किया गया। राजस्व विभाग द्वारा खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण की रोकथाम के लिए लगातार गश्त और निगरानी की जा रही है तथा इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

जिला अस्पताल में आयोजित किए जा रहे नि :शुल्क कैंसर जांच व परामर्श शिविर

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के निर्देशानुसार जिला अस्पताल कवर्धा में प्रतिमाह आयोजित किए जा रहे निःशुल्क कैंसर जांच एवं परामर्श शिविर की कड़ी में शुक्रवार को विशेष शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें नया रायपुर स्थित बालको मेडिकल सेंटर के विशेषज्ञ डॉ. पुष्पेंद्र जाटव एवं चिकित्सकों की टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

शिविर में जिले के अलग अलग विकासखंडों से पहुंचे मरीजों ने अपनी जांच करवाई। इस दौरान कुल 25 मरीजों की जांच की गई, जिनमें 13 पुरुष एवं 12 महिलाएं शामिल थीं। जिसमें मेमोग्राफी मशीन के माध्यम से स्तन जांच, मुख कैंसर की जांच (ब्रश साइटोलॉजी) तथा गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच (पैप स्मीयर) जैसी सुविधाएं मरीजों को उपलब्ध कराई गईं। जांच के दौरान 5 मरीज संभावित रूप से पॉजिटिव पाए गए। जिन्हें आगे की उपचार प्रक्रिया से जोड़ा गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. देवेंद्र तूरे ने बताया कि शिविर में संभावित कैंसर मरीजों की पहचान कर उन्हें उचित उपचार एवं नियमित फॉलोअप से जोड़ा गया। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने आमजन को कैंसर के लक्षणों के प्रति जागरूक करते हुए बताया कि स्तन में गांठ, मुंह में अल्सर, लगातार खांसी, अत्यधिक थकान, वजन में कमी, खून की कमी, गले में गांठ, निगलने में कठिनाई एवं असामान्य रक्तस्राव जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। शिविर का मुख्य उद्देश्य जनसमुदाय में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाते हुए समय पर जांच के माध्यम से रोग की रोकथाम सुनिश्चित करना रहा।

विशेष ग्राम सभाओं में विकास योजनाओं पर किया गया व्यापक मंथन

जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता : पानी की हर बूंद को सहेजने का दिया संदेश

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार जिले में पंचायती राज दिवस के अवसर पर सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। जिला पंचायत बेमेतरा से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इन बैठकों में ग्रामों के समग्र विकास को लेकर विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा एवं योजना निर्माण किया गया।

ग्राम सभाओं में गांवों को आत्मनिर्भर एवं विकसित बनाने के उद्देश्य से विभिन्न विकास योजनाओं की रूपरेखा तैयार की गई। इस दौरान महिला स्व-सहायता समूहों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। उन्होंने नया तरिया, कमाई के जरिया अभियान के अंतर्गत आजीविका संवर्धन एवं स्वरोजगार के अवसरों पर विशेष रूप से अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

बैठकों में जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पानी की हर बूंद को सहेजने का संदेश दिया गया। इसके साथ ही आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए पूर्व तैयारियों, जल संरचनाओं के संरक्षण एवं समयबद्ध कार्य निष्पादन पर भी गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया।

स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर भी ग्राम सभाओं में विशेष जोर दिया गया। ग्रामीणों को घरों से निकलने वाले गंदे पानी के उचित निस्तारण, कूड़ा-करकट को इधर-उधर न फैलाने तथा गांव में साफ-सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त, ग्राम पंचायतों में समर्थ पोर्टल के माध्यम से टैक्स पेयरों की एंट्री का कार्य भी प्रगति पर है। इससे पंचायतों की राजस्व व्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ-साथ कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

इस अवसर पर ग्रामवासियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई और ग्राम विकास से जुड़े निर्णयों में अपनी सक्रिय भूमिका सुनिश्चित की। पंचायती राज दिवस के इस आयोजन ने ग्रामीण क्षेत्रों में सहभागिता आधारित विकास को नई दिशा प्रदान की है।

आबकारी एक्ट : एक आरोपी के कब्जे से 18 पौवा अंग्रेजी शराब जब्त

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का, एसडीओपी बेरला विनय कुमार के मार्गदर्शन में बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध शराब, गांजा, नशीली पदाथी, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, बाउंड ओवर, गुंडा बदमाशों, फरार स्थायी वारंटियो, सामाजिक सौहार्द बिगाडने वालों, यातायात नियमो का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों तथा माईनर एक्ट के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही लगातार की जा रही है।

इसी क्रम में 25 अप्रैल 2026 को थाना चंदनू पुलिस टीम को जरिये मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम झिरिया में एक व्यक्ति अपने मुर्गा दुकान में अवैध रूप से शराब रखकर धन लाभ अर्जित करने लोगो को शराब बिक्री कर रहा है कि सूचना के अधार पर थाना चंदनू पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंच कर रेड कार्यवाही कर आरोपी को पकड़ा गया।

जिसमें थाना चंदनू में 01 प्रकरण में 01 आरोपी रामविजय यदु पिता भागवत यदु उम्र 30 वर्ष, निवासी झिरिया, थाना चंदनू जिला बेमेतरा के कब्जे से 18 पौवा अंग्रेजी शराब किमती 2,880 रूपये एवं बिक्री रकम 500 रूपये, कुल जुमला 3,380 रूपये को आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई हैं। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी चंदनू निरीक्षक दुलेश्वर चंद्रवंशी, प्रधान आरक्षक रघुनाथ नेताम, आरक्षक भूषण राजपूत, धाकचंद बंजारे, राजतिलक हिरवानी, निरंजन वैष्णव सहित थाना चंदनू के समस्त पुलिस स्टाफ का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

सोलह दूनी आठ — नई दृष्टिबिंदु

साप्ताहिक कॉलम | याज्ञवल्क्य मिश्रा

पड़ी लकड़ी

बड़े बुजुर्ग कुछ कह गए हैं तो यूँ ही तो कहे नहीं है। उसे ना मानने से नुक़सान होते भी हैं। जैसे चाणक्य चाचा जी ने रफ कॉपी में लिखा कि झाड़ी में पड़ी लकड़ी नहीं लेनी चाहिए। लेकिन साहब की क़ौम वो भी सुशासन सरकार की भला क्यों माने। शासकीय कमर्चारी आचरण नियम स्थाई हैं। फिर पता नहीं क्यों उसका स्मरण पत्र जारी किया गया। जब रिमाईंर जारी हुआ तो सवाल हो गए बताईए इतना ट्रेड यूनियन फेडरेशन है क्या सब नियम विरुद्ध है। सवाल यह भी आ गया आरएसएस की शाखा में जाना पद लेना नियम के खिलाफ माना जाएगा या नहीं। ऐसा बवाल मचा कि नई चिट्ठी जारी हो गई। अब उस नई चिट्ठी के शब्द पर फिर बवाल टंटा हो गया। उस नई चिट्ठी में लिखा गया -'राजनीतिक दल संगठन में पद नहीं लेने के संबंध में जारी पत्र स्थगित किया जाता है।' याने अब सरकारी कर्मचारी राजनीतिक दल में पद ले सकते हैं क्योंकि वह तो स्थगित हो गया। कांग्रेस के पास मुद्दे की वैसे भी कमी नहीं है। फिर ये मसला तो खुद तंत्र ने टिका दिया। लेकिन कथा का सार यह है कि चाणक्य चाचाजी अगर बोल गए हैं कि झाड़ में पड़ी लकड़ी नहीं उठानी चाहिए तो उठाए काहे साहब लोग।

रेत और वक़्त

सत्ता में होना और सत्ता को पचाना बिल्कुल जुदा मसला होता है। पर ये बात समझ की है। जैसे रेत और वक़्त दोनों ही बँधते नहीं है। पर ये बात भी समझ की है, और समझ भला इतनी जल्दी कैसे आए। एक युवा मंत्री जी और उनके कारिंदों की कारगुजारी समझ शब्द से सीधा बैर साबित कर रही है। अवैध रेत का धंधा हो या मुरुम या फिर ठेका परिवहन का, मध्य छत्तीसगढ़ के कई इलाक़ों में आफत मची है। लेकिन मंत्री जी के हाडकोर फैन ने कहा है -'भैया माटी पुत्र हैं। व्यवसाय करने को नौकरी से बेहतर मानते हैं। समथर्कों को भी व्यापार से जोड़ चार पैसा कमाने की राह बना रहे हैं तो गलत काम थोड़ी कर रहे हैं।

दुश्मन जबरन बदनाम करने में लगे हुए हैं।' बात सही भी है लेकिन बस इस मायने में कि, मसला एक अकेले इस छैल छबीले बांकेलाल का नहीं है, सत्ता पर सवार कई हैं जो नदियों के मुहाने पर रुमाल के तर्ज पर जेसीबी रख चुके हैं यह ईलाका और रेत हमारे पापाजी की। अब भला इसमें बिचारी सरकार क्या करेगी। सुशासन की सरकार है तो सौ प्रकार से सोचती विचारती है। अब ऐसे में कहीं गोली चल जाए या सरे राह जमकर लाठियों से पिटाई हो जाए तो होती रहे। सुशासन सरकार कुछ न कुछ जरुर करेगी और यदि कुछ ना करे तो जनता यह माने कि, सरकार का कुछ ना करना ही सबसे बड़ी कार्यवाही है और यही सुशासन है।

कर्मण्ये वाधिकारस्ते

एक खलिहर सहाफी के पास आया और बोला कि सुनो पत्रकार जी कर्मण्ये वाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। इस श्लोक का अर्थ सबको पता है। पर दरअसल इसे जी लेना ही सच्चा मोक्ष है। और सुशासन बाबू की सुशासन सरकार में तंत्र हालिया दिनों इसी मोक्ष भाव में काम कर गया है। अब सहाफी को पता था कि, खलिहर आदमी प्यारी अच्छी और न्यारी सुशासन सरकार से खुन्नस खाया और चिढ़ा बैठा है लेकिन फिर भी भागने का जुगाड़ नहीं था तो सुनने के अलावा विकल्प नहीं था। खलिहर इस बात से चिढ़ा बैठा था कि, भरी तपती धूप में भी महिला आरक्षण मुद्दे पर महिलाओं की रैली निकली और भले रैली में शामिल महिलाओं को विषय का ज्ञान नहीं था लेकिन महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल थीं। कम से कम रैली में आधा दूर तक तो बड़ी संख्या थी ही। खलिहर का दर्द ये भी था कि, इस आयोजित प्रायोजित भीड़ के लिए बड़े और प्रभावशाली लोगों के जिले में दो अफसर को नोडल और सहायक नोडल की ज़िम्मेदारी दी गई थी और ऐसे हर उस जिले में दोनों पदीय अफसरों ने अपना काम किया। नतीजे में भीड़ आ गई। अब हाकिम बोले तो आंगनबाड़ी से लेकर मितानिन को लाना कोई कठिन काम है भला, कहीं कहीं पर रसोईया संघ की दीदी लोग भी चली आईं। खलिहर की बात सुन कर सहाफी ने पूछा -'अब कागज में नोडल लिखा होगा तो किए होंगे।' खलिहर ने कान में फूँका - 'अरे भैया पत्रकार! काम तो नोडल और सहायक नोडल अधिकारी का ही था पर ये कागज में नहीं था। इसलिए ही तो कह रहा हूँ कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।'

मन की गति

राजधानी से सटे दूसरे जिले में एक कांड हो लिया है। एक बीरजी ने वह तीन तूफान मचाया कि सबके होश फाख्ता हो लिए। फिर पुलिस ने तीन तेरह क़लम चलाकर बीरजी को जेल पहुँचा दिया। अब बीरजी के शुभचिंतक कह रहे हैं कि, ये बात ग़लत है अगर वो ठगे हैं तो अकेले ठगे क्या..उसे भी टाँग कर भीतर करो जिसने बीरजी के दिए काग़ज को बिजली की गति से चलाया। लेकिन पुलिस भी इतनी मूर्ख थोड़ी है। किस्सा ये है कि, बीरजी केंद्रीय मंत्री के विभाग का पत्र लेकर घूम रहे थे जिस पर लिखा था कि फलना जगह के पांच अस्पतालों की जांच करेंगे रिपोर्ट पर कायर्वाही की जाएगी। बीरजी चिट्ठी के साथ एक अस्पताल की रिपोर्ट बनाकर मंत्रालय पहुंच गए। वहां बड़े साहब को पहले मंत्री जी की तस्वीर दिखाई गई फिर पत्र दिखाया गया और फिर रिपोर्ट की कॉपी दी गई। बड़े साहब ने मन की गति से कागज दौड़ा दिया। पता चला कि जिस अस्पताल को लेकर लाईस बाईस रिपोर्ट तैयार की गई है वहां तो पूरी चौचक व्यवस्था है याने रिपोर्ट गलत है। फिर यह भी सामने आया कि बीरजी अस्पताल प्रबंधकों को चमकास्टिक देकर 'व्यवस्था' मांग रहे थे। पुलिस ने एफआईआर खींची और बीरजी को टांग लिया। अब पुलिस ने ये काम भी मन की गति से क्यों किया क्योंकि बड़े साहब का नाम बदनाम ना हो जाए। बड़े साहब ने तो भरोसे में भोलेपन में मन की गति से फाईल आगे बढ़ा दी। पुलिस की फुर्ती से यह बात दब ही गई थी कि कार्यवाही के लिए फाईल किधर से आई थी। लेकिन बीरजी के शुभचिंतकों और जलनखोरों का क्या करें। इधर उधर जा जा कर तीन का तेरह बता रहे हैं। बड़े साहब आप परेशान ना हों, जब पूरी की पूरी सुशासन सरकार ही भोली है तो आपका अकेले का क्या क़ुसूर। बाकी हम यह मानते हैं कि आपको लेकर कहीं बोली लिखी जा रही हर बात हर शब्द कोरी गप्प है, केवल अफवाह है।

देवतुल्य कार्यकर्ताओं का खुला खत

एक व्हीव्हीआईपी जिले में देवतुल्य कार्यकर्ताओं ने खुला खत लिखा है जो प्रदेश अध्यक्ष और संगठन महामंत्री को संबोधित है। देवतुल्य कार्यकर्ताओं ने अर्जी में दो बातें लिखी हैं और पूरी मासूमियत से लिखीं हैं। जाहिर है अर्जी पर मर्जी प्रदेश अध्यक्ष भाईसाब और महामंत्री संगठन भाईसाब पर छोड़ी गई हैं। अनुशासित दल में परंपरा भी यही है। अब इस अर्जी में पहली मासूम गुजारिश ये है कि पार्टी के जिला कार्यालय का नाम बदल कर जिला पंचायत किया जाए। वजह यह बताई गई है कि, जिला पंचायत में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को छोड़ कर पार्टी के आठ सदस्य हैं। पार्टी की जिला कार्यकारिणी में इनमें पांच को पदाधिकारी बनाया गया है। खुले खत में लिखा है कि कृपा यहीं नहीं रुकी बल्कि महिला जिला पंचायत सदस्यों के पतिदेवों को भी जीवनदीप समिति, सहकारी समिति से लेकर मंडल पदाधिकारी बनाया गया है। इस अर्जी में दूसरी मासूम गुजारिश जिला अध्यक्ष जी के काजू कतली प्रेम पर रोशनी डालती है। खत में लिखा गया है कि पोस्टिंग ट्रांसफर के मामले में केवल काजू कतली के डब्बे का उपयोग किया जाता है, यह अलग बात है कि डब्बा भले काजू कतली का हो लेकिन अंदर भारतीय मुद्रा होती है। जिक्र ये भी है कि पार्टी खर्च के नाम पर काजू कतली के डब्बे किस किस के द्वारा भिजवाए जाते हैं। चुंकि खत खुला हुआ है तो सहाफी के पास भी पहुंच गया। अब किसी के घर भीतर का मसला भला सहाफी उसमें क्या करता। तो जो पढ़ा वह आपको बताया और फिर आगे को बढ़ लिया है। वैसे राष्ट्र निर्माण के लिए व्यक्तित्व निर्माण होता है उसके भी पहले व्यक्ति निर्माण होता है। और जब निर्माण होगा तो व्यय भी होता है। देवतुल्य कार्यकर्ताओं को समझना होगा यह व्यवस्था हर लेयर पर इसी तरह प्रभावी है। हाँ कहीं कहीं पर काजू कतली के छोटे डब्बे की जगह टिफि न के बड़े डब्बे या सूटकेस तक उपयोग हो जाते हैं।

कारपोरेट बॉक्स को लेकर यह क्या हल्ला है

अफवाहबाजों की पतंग ऐसी उंची उड़ती है कि क्या ही कहा जाए। अब देखिए रायपुर में होना है आईपीएल मैच। तो इसे लेकर पतंग उड़ी है कि सिंबा सिंबा गाते किसी भले आदमी ने सारे कारपोरेट बॉक्स की टिकट खरीद ली है। ऐसा इसलिये हुआ है क्योंकि पिछली बार 'साहबों' को और उनकी 'मेम साहबों' को कारपोरेट बॉक्स की व्यवस्था ही नहीं हुई। करमजलों ने पहले ही टिकट खरीद ली और फिर हुआ ये कि मेम साहबों ने साहबों को घूरा और फिर साहबों ने व्यवस्था के जवाबेदह कारिंदों को। कारिंदों ने फौरन से पेश्तर उस भले आदमी की चूड़ी टाइट करनी की क़वायद कर ही दी थी, लेकिन अगली बार ये गुनाह ना होगा की बात और सौ क़सम पर एतबार कर जान की अमान दे दी गई। भले आदमी ने इस बार कोई रिस्क नहीं लिया है और जुगत लगाकर पूरे कारपोरेट बॉक्स की टिकट खरीद डाली है। जाहिर है बाकी सब अपनी जगह है लेकिन धंधा तो धंधा है न। राजाओं की जगह साहबों और उनकी मेम साहबों का राज है। काहे पंगा लेना। तो आप भी गाएँ सिंबा सिंबा।

एक ममता यहां भी

देश में एक ममता दीदी हैं। भिड़ने में आ जाएँ तो सबके खच्चे परखच्चे उड़ा कर ही मानतीं हैं। अब भला जिस दीदी से चुनावी मुक़ाबले के लिये आयोग, बल, एंजेसियां तो लगाई ही गई है, सारा काम छोड़ पीएम गली चौराहे पर झालमूडी खा रहे हों और विद्वान के साथ साथ शिष्ट विनम्र व्यवहार के धनी शाह जी भी कोकिल कंठ में ओएऽऽऽ कहते नजर आ रहे हों तो सोचिए क्या ही तोप तुर्रम हैं ममता दीदी। लेकिन देश में एक ही ममता दीदी थोड़े हैं। सूबे के एक जिले में भी ममता हैं। खाकी डिपार्टमेंट में यह ममता भी खूब लड़ी मर्दानी वो तो झाँसी वाली रानी मोड में हैं। इनका पंगा एसपी साहब बहादुर से हो लिया है। बताते हैं मीटिंग में एसपी साहब ने तबियत से झाड़ लगा दी और इस पर मैडम बुरी तरह आहत हो गईं। यही सिलसिला दूसरी मीटिंग में भी हो गया तो मसला जय लक्ष्मीबाई हो लिया। मैडम पहले तो रोईं और बोल पड़ी इस्तीफा दे दूँगी पर ये व्यवहार बर्दाश्त नहीं करुंगी। क़ि स्से बाजों की उड़ाई कहानी है कि मैडम इस कदर बिफरीं कि अल्फा साहब बहादुर के पास जा पहुँचीं और दो मांग पर अड़ गईं। पहली मांग ये कि इस्तीफा लीजिए या फिर एफआईआर दर्ज करिए और एफआईआर में दिक़्क़त है तो विभागीय जांच कार्यवाही करिए। अल्फा साहब ने बहुत धैर्य से बातों को सुना और आखिरकार यह कहते हुए रवाना किया कि, अभी आप बेहद ग़ुस्से में हैं। छुट्टी लेकर घर जाइए शांत मन हो जाए तो लौटिए और फिर बताईएगा क्या करना है। राम की कृपा से मैडम मान गईं। लेकिन अफवाह है कि, घर पहुंच कर शांत मन और उद्विग्न और उद्वेलित हो रहा है। मैडम युद्ध को तत्पर हैं।

बांकेलाल का सवाल

एक नगर निगम में सुशासन की छाया गजब छाई है। हुआ ये है कि इस निगम के आयुक्त जी को पक्ष विपक्ष ने मिल कर हटाने का एकमतेन प्रस्ताव पारित किया और शासन को भेज दिया। अब 25 मार्च के इस प्रस्ताव पर सुशासन सरकार ने कोई फैसला ही नहीं लिया है। निगम में भी सुशासन वाली पार्टी की ही सरकार है। अपनी ही पार्टी के सत्ता शासन के रवैये से निगम के नेताजी लोग बिदके हुए हैं। अभी इसी आलम में निगम आयुक्त की चिट्ठी ने फिर टंटा बढ़ा दिया है। आयुक्त साहब ने एक नोटशीट बढ़ाई कि मेयर इन कौंसिल की बैठक आहूत करनी है, ताकि सामान्य सभा में आए विषयों और एमआईसी के प्रस्तावों पर चर्चा और निर्णय हो। अब सोचिए निगम के नेताजी लोगों का दिल क्यों नहीं दुखेगा। जिस सामान्य सभा में फैसला लिया गया कि आयुक्त को हटाया जाए और प्रस्ताव सरकार को भेजा गया। वहीं आयुक्त साहब नोटशीट चला रहे हैं कि भैया लोग मीटिंग करना है मेयर इन कौंसिल की, ताकि लंबित विषयों पर चर्चा हो और कार्य हो। गुस्सा गोसाई मोड में नोटशीट पर ही मेयर साहब ने लिख दिया है-'आयुक्त को सामान्य सभा ने अपने अधिकारों का प्रयोग कर उन्हे उनके पद से हटा दिया है। इसके बाद आयुक्त के हस्ताक्षर से किसी भी प्रकार की बैठक या कार्यों का संपादन नहीं किया जा सकता।' अब इस नोटशीट युद्ध के बाद मेयर इन कौंसिल की बैठक का मामला पेडिंग चला गया है वैसे ही जैसे सुशासन सरकार के पास कमिश्नर को हटाने का प्रस्ताव पेडिंग चला गया है। इस निगम में टहलते हुए राजश्री का पाउच फाड़ मुंह में डाल कर बांकेलाल ने सहाफी से कहा है कि, नोटशीट की बात अगर सही है तो चेक जो साहब के दस्तखत से हालिया दिनों तक जारी हुए हैं उनका क्या होगा।

अहिवारा बस स्टैंड बना अव्यवस्था का अड्डा : रेती-गिट्टी के ढेर

नई दृष्टिबिंदु / नंदिनी अहिवारा

सड़क पर खड़ी बसें और असामाजिक तत्वों से यात्रियों की परेशानी बढ़ी

अहिवारा शहर का मुख्य बस स्टैंड इन दिनों अव्यवस्था और लापरवाही का शिकार बन गया है। बस स्टैंड परिसर में जगह-जगह रेती और गिट्टी के ढेर लगे होने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालात इतने खराब हैं कि लोगों को खड़े होने तक की जगह नहीं मिल रही।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि बस ऑपरेटर और कुछ ठेकेदार बस सवारियों के चक्कर में वाहनों को बस स्टैंड के अंदर खड़ा करने के बजाय सीधे मुख्य सड़क पर खड़ा कर देते हैं। इससे रोजाना जाम की स्थिति बन रही है और दुर्घटना का खतरा भी बढ़ गया है। बस स्टैंड के अंदर असामाजिक तत्वों का जमावड़ा भी बड़ी समस्या बनता जा रहा है। शाम होते ही यहां संदिग्ध गतिविधियां बढ़ जाती हैं, जिससे खासकर महिला यात्रियों को असुरक्षा का सामना करना पड़ता है। कई बार शिकायत के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं।

मुख्य समस्याएं: बस स्टैंड परिसर में रेती-गिट्टी का अवैध डंपिंग, सड़क पर खड़ी बसों से जाम और दुर्घटना का खतरा, असामाजिक तत्वों का जमावड़ा, यात्रियों में डर का माहौल, सफाई और व्यवस्था की पूरी तरह अनदेखी। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि बस स्टैंड परिसर से तुरंत अवैध सामग्री हटाई जाए, बसों की पार्किंग व्यवस्था दुरुस्त की जाए और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। साथ ही नियमित निगरानी और कार्रवाई की भी जरूरत बताई गई है। यदि समय रहते प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया, तो आने वाले दिनों में यह समस्या और गंभीर रूप ले सकती है।

सुपेला संडे बाजार में निगम और पुलिस की बड़ी कार्रवाई

सड़क बाधा डालने वालों पर लगाया जुर्माना

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा आज सुपेला स्थित संडे बाजार में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और सड़क पर अवैध कब्जों को हटाने के लिए व्यापक 'बेदखली व जब्ती' की कार्यवाही की गई। इस विशेष अभियान में पुलिस प्रशासन के अधिकारियों और पुलिस बल के सहयोग से निगम की टीम ने सड़क पर व्यवसाय करने वालों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया।

बाजार क्षेत्र में आवागमन बाधित करने वाले 7 प्रमुख व्यवसायियों पर 500-500 रुपये का आर्थिक दंड लगाया गया। कुल 3,500 रुपये (तीन हजार पांच सौ रुपये) की जुर्माना राशि वसूली गई। जिन पर कार्यवाही हुई, उनके नाम इस प्रकार हैं - दिलदार फुट वियर - 500, मनोज सोनकर - 500, मोहम्मद अली - 500, जेश रेडिमेट - 500, जुनेद रेडिमेट - 500, जुबेद रेडिमेंट - 500, मोहम्मद राज - 500 शामिल हैं।

जुर्माने के साथ-साथ निगम की टीम ने विद्युत खंभों और डिवाइडरों पर लगे अवैध बैनर-पोस्टर को भी मौके से हटाया। सड़क पर रखे गए सामानों की जब्ती की गई और व्यापारियों को सख्त हिदायत दी गई कि वे भविष्य में निर्धारित सीमा के भीतर ही अपना व्यवसाय संचालित करें। इस संयुक्त कार्यवाही में पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ निगम के राजस्व निरीक्षक, जोन स्वास्थ्य अधिकारी, स्वच्छता निरीक्षक, सुपरवाइजर एवं बड़ी संख्या में निगम कमर्चारी उपस्थित रहे। नगर निगम प्रशासन सभी व्यापारियों से अपील करता है कि संडे बाजार के दौरान मुख्य मार्गों पर अतिक्रमण न करें, ताकि आम नागरिकों और राहगीरों को आवागमन में असुविधा न हो। नियमों का उल्लंघन करने पर आगे भी इसी प्रकार की दंडात्मक कार्यवाही जारी रहेगी।

पुलिस का कॉम्बिंग गश्त : बदमाशों, वारंटियों, संदिग्धों व देर रात्रि में बेवजह घूमने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

शहर में जिला पुलिस का कांबिग गश्त, रात्रि में बेवजह घुमना, चौक चौराहों पर बैठने वालों की अब खैर नहीं। जिला केसीजी पुलिस द्वारा क्षेत्र में लगातार आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में आदतन अपराधियों पर अंकुश लगाने एवं आमजन में सुरक्षा की भावना जागृत करने हेतु शनिवार 25 अप्रैल की रात्रि 12 बजे से प्रातः 4 बजे तक नगर खैरागढ़ में व्यापक कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया गया।

जिला पुलिस बल ने इस दौरान पुलिस टीम द्वारा बरेठपारा, जमातपारा, बख्शी मार्ग, इतवारी बाजार, धरमपुरा, अमलीपारा, दाऊचौरा, बस स्टैंड, शिव मंदिर रोड, राज फैमिली क्षेत्र, गंजीपारा, रश्मि देवी कॉलोनी, खम्हरिया, इंदिरा आवास, अटल आवास एवं पिपरिया क्षेत्रों में गश्त की गई।

गश्त के दौरान थाना क्षेत्र के बैंक, एटीएम, सराफा दुकान एवं संदिग्ध स्थलों की जांच की गई। साथ ही गुंडा/निगरानी बदमाशों, फरार वारंटियों एवं असामाजिक तत्वों के निवास स्थलों पर दबिश देकर उनकी उपस्थिति की जांच की गई तथा उनके वर्तमान आय-व्यवसाय के संबंध में पूछताछ कर उन्हें अपराध से दूर रहने की सख्त हिदायत दी गई।

लॉज एवं ढाबों की भी चेकिंग की गई

अभियान के लाज ढाबों की भी चेकिंग की गई और इस दौरान फरार स्थायी वारंटी विजय यादव पिता नंदलाल यादव, उम्र 30 वर्ष, निवासी बरेठपारा वार्ड क्रमांक 06 खैरागढ़ को उसके निवास से गिरफ्तार किया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

पुलिस ने दी समझाइश

इस अभियान के दौरान कुल 09 निगरानी बदमाश, 20 गुंडा बदमाश, 19 स्थायी वारंटी एवं 03 गिरफ्तारी वारंटियों के संबंध में दबिश एवं वैधानिक कार्यवाही की गई। सभी को आपराधिक गतिविधियों से दूर रहकर समाज की मुख्यधारा से जुड़ने की समझाइश दी गई। देर रात्रि में बेवजह घूमते पाए गए व्यक्तियों को थाना लाकर उनके परिजनों को बुलाकर सुपुर्द किया गया तथा भविष्य में अनावश्यक रूप से देर रात न घूमने की सख्त हिदायत दी गई।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100